जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 02 दिनांक: 06-05-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में इटावा और धौरहरा की जनसभाओं को संबोधित करने के बाद रविवार की शाम को अयोध्या स्थित भगवान श्री रामलला के मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भगवान राम के दर्शन पूजन किया।

लोकसभा चुनाव के बीच भी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूं। साथ ही अपने पद से इस्तीफ़ा दे रही हूं।

12 राज्यों में तीसरे चरण का चुनाव प्रचार थमा, 7 मई को 92 सीटों पर होगा मतदान

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में अमित शाह, डिंपल यादव, दिग्विजय, शिवराज, सिंधिया और अधीर रंजन चौधरी जैसे दिग्गज नेताओं की किस्मत का होगा फैसला, मतदान कल

नई दिल्ली(ईएमएस)। देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। दो चरण में 190 सीट पर वोटिंग हो चुकी है। अब तीसरे चरण में 7 मई को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसके लिए रविवार को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थम गया। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग रजौरी सीट पर मतदान की तिथि बदल थी। अब इस सीट पर 7 मई को तीसरे चरण में मतदान नहीं होगा। अनंतनाग रजौरी लोकसभा सीट के लिए 25 मई को छठे चरण में वोटिंग होगी। सात मई को लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण की वोटिंग होगी। अभी तक दो चरणों में 190 सीटों पर मतदान हो चुका है। पहले चरण में 19 अप्रैल को 66.14 फीसदी वोटिंग हुई थी और दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 66.71 फीसदी मतदान हुआ था। तीसरे चरण के मतदान के बाद 283 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इन तीन फेज के रुझान से अगली सरकार का रुख तय हो जाएगा। सभी राजनीतिक दलों अभी तक हुई वोटिंग में बढ़त बनाने का दावा कर रहे हैं।

तीसरे चरण में 93 लोकसभा सीटों पर कुल 2963 नामांकन दाखिल किए गए, जिनमें से चुनाव अधिकारियों ने 1563 आवेदनों को वैध पाया है। नामांकन वापस लेने की तारीख निकलने के बाद चुनाव लडऩे वाले उम्मीदवारों की संख्या 1351 है, जिसमें कई वीवीआईपी कैंडिडेट्स शामिल हैं। अमित शाह, डिंपल यादव, दिग्विजय सिंह, शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और अधीर रंजन चौधरी जैसे दिग्गज नेताओं की किस्मत का फैसला होगा। तीसरे चरण में असम की 4 सीट, बिहार की 5 सीट, छत्तीसगढ़ की 7 सीट, मध्य प्रदेश की 9 सीट, महाराष्ट्र की 11 सीट, दादर-नगर हवेली और दमन-दीव में एक-एक सीट, गोवा की 2 सीटे, कर्नाटक की 14 सीट, जम्मू-कश्मीर की एक सीट, पश्चिम बंगाल की 4 सीट, गुजरात की 25 और उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर वोटिंग होनी है।

हाई प्रोफाइल सीटों पर होगी वोटिंग

तीसरे चरण के चुनाव में कई दिग्गजों का भविष्य टिका हुआ है। मध्यप्रदेश के विदिशा में शिवराज सिंह चौहान, गुना शिवपुरी से ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजगढ़ में दिग्विजय सिंह के लिए भी तीसरे चरण में वोट डाले जाएंगे। छत्तीसगढ़ की कोरबा और रायपुर जैसी हाई प्रोफाइल सीटों पर सात मई को वोटिंग होगी, जहां से सरोज पांडे और बृजमोहन अग्रवाल चुनाव लड़ रहे हैं। यूपी में मुलायम परिवार के अक्षय यादव, डिंपल यादव, आदित्य यादव के भाग्य का फैसला भी गुरुवार को होगा। आगरा में एस पी सिंह बघेल और एटा में राजवीर सिंह की सीटों पर थर्ड फेज में मतदान होगा। 7 मई को महाराष्ट्र की 11 लोकसभा सीटों पर भी वोट डाले जाएंगे। बारामती सीट पर वोटिंग होगी, जहां सुनेत्रा पवार और सुप्रिया सुले के बीच कड़ा मुकाबला है। महाराष्ट्र में नारायण राणे और अनंत गीते की सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात की 25 सीटों पर भी तीसरे चरण में मतदान होगा। गुजरात की गांधीनगर सीट से अमित शाह भाजपा के उम्मीदवार हैं।

स्टेशन मास्टर सोता रहा, आधे घंटे तक खड़ी रही ट्रेन

लखनऊ (ईएमएस)। कई बार तकनीकि दिक्कतों से तो कई बार खराब मौसम की वजह से ट्रेनें घंटों तक किसी जगह खड़ी रह जाती हैं। हालांकि आगरा मंडल के एक छोटे से स्टेशन पर एक ट्रेन को इसलिए आधे घंटे तक खड़ा रहना पड़ा, क्योंकि वहां के स्टेशन मास्टर को नींद आ गई थी और उस ट्रेन को झरी झंडी दिखाने वाला वहां कोई नहीं था। यह घटना उत्तर प्रदेश में इटावा के पास उदी मोड़ रेलवे स्टेशन पर की है, जहां पर स्टेशन मास्टर के ड्यूटी के दौरान सो जाने के कारण पटना-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन करीब आधे घंटे तक ग्रीन सिग्नल का इंतजार करती रही। यह स्टेशन आगरा मंडल के अंतर्गत आता है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आगरा रेलवे मंडल ने स्टेशन मास्टर से इस लापरवाही का कारण बताने को कहा है, जिसके परिणामस्वरूप कोई अप्रिय घटना हो सकती थी। आगरा रेलवे मंडल की जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि हमने स्टेशन मास्टर को आरोप पत्र जारी किया है और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि उदी मोड़ रेलवे स्टेशन इटावा से पहले आने वाला एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण स्टेशन है झांसी से प्रयागराज की ओर जाने वाली ट्रेन भी इस स्टेशन से गुजरती हैं।

कनाडा में आतंरिक राजनैतिक कलह है इससे भारत का कोई लेना देना नहीं हैः जयशंकर

भुवनेश्वर(ईएमएस)। कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में भारत का हाथ होने के आरोप लगाए गए थे। इस पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने साफ कह दिया कि कनाडा में जो कुछ भी घट रहा है वो उनकी अपनी आंतरिक राजनैतिक कलह के कारण हो रहा है। इससे भारत का कोई लेना देना नहीं है। जयशंकर ने जवाब में कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत की आलोचना क्यों कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने यहां वरिष्ठ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 'विकसित भारत' बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के वास्ते देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह मजबूत और सक्रिय नेता की जरूरत है।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर भारत की छवि अब पहले की तुलना में बहुत बेहतर है। कनाडा एक अपवाद है। आपने देखा है कि विभिन्न देशों के नेतृत्व, भारत और उसके प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हैं।' उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का इस्तेमाल कर रहा है, 'लॉबी बना रहा है और एक वोट बैंक बन गया है।' विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा में सत्तारूढ़ दल के पास संसद में बहुमत नहीं है और कुछ दल खालिस्तान समर्थक नेताओं के भरोसे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनसे कई बार कहा कि वे ऐसे लोगों को वीजा, मान्यता या राजनीतिक क्षेत्र में जगह नहीं दें जो उनके (कनाडा के) लिए, हमारे लिए और हमारे संबंधों में समस्या पैदा कर रहे हैं, लेकिन कनाडा सरकार ने कुछ नहीं किया।' उन्होंने कहा कि भारत ने 25 लोगों के प्रत्यर्पण की मांग की, जिनमें से अधिकांश खालिस्तान समर्थक हैं लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल सितंबर में भारतीय एजेंटों पर निज्जर की हत्या में 'संभावित रूप से' शामिल होने का आरोप लगाया था जिसके बाद भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

चीन के साथ सीमा विवाद पर जयशंकर ने कहा, 'पिछले चार साल में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बड़ी संख्या में सैनिकों का जमावड़ा कर हम पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। हमने इसका कड़ा जवाब दिया है। आज भारतीय सेना के हजारों जवान चीन से लगे एलएसी पर तैनात हैं। हम बहुत स्पष्ट हैं, हम वहां हैं, हम मजबूत हैं, हम तैनात हैं।' विवादित क्षेत्रों को भारत के भू-भाग में दर्शा रहे मानचित्र वाले 100 रुपये के अपने नोट को चलन से हटाने के नेपाल सरकार के कदम पर जयशंकर ने कहा कि इससे जमीनी स्थिति नहीं बदलने जा रही।

वायुसेना के काफिले पर हमला करने वालों को साजिद जट ने दी थी ट्रेनिंग,हमले में एक जवान की मौत और चार अन्य घायल हो गए थे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले में एक जवान की मौत हो गई। चार अन्य जवान घायल हो गए हैं। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में वायुसेना पर हमला साजिद जट द्वारा प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों का काम था। वायुसेना के काफिले पर हमले की घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे हुई, जब कॉनवॉय जारनवाली से वायुसेना स्टेशन लौट रहा था। भारतीय वायुसेना का मूवमेंट संभवतः राडार ऑपरेशन के लिए था।

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में मतदान से पहले आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें एक जवान की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुंछ में 25 मई को छठे चरण में मतदान होना है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर बताया कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमला किया था। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा क्षेत्र में फिलहाल घेराबंदी कर तलाशी अभियान जारी रहा है। भारतीय वायसुना ने एक और पोस्ट कर कहा कि आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में जवानों ने जवाबी फायरिंग करके लड़ाई लड़ी। इस प्रक्रिया में पांच जवानों को गोली लगी थी उन्हें तत्काल सैन्य अस्पताल ले जाया गया। एयरफोर्स के एक जवान की मौत हो गई।

निकटवर्ती राजौरी के साथ-साथ सीमावर्ती पुंछ जिले में पिछले दो सालों में बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं, जो इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों की वापसी का संकेत हैं। यह इलाका आतंकवाद से मुक्त हो गया था। साल 2021 से 2023 के बीच यह इलाका शांत रहा। बता दें कि इससे पहले 22 अप्रैल को राजौरी के कुंडा टॉप में आतंकवादियों ने एक जवान के भाई और सरकारी कर्मचारी मोहम्मद रजाक और 28 अप्रैल को उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में ग्राम रक्षा गार्ड मोहम्मद शरीफ की हत्या कर दी थी उसके बाद अब एयरफोर्स के काफिले पर हमला किया है।

दिल्ली में आया भूकंप, केंद्र रहा पश्चिमी दिल्ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में रविवार को दोपहर 4 बजकर 19 मिनट 14 सेकेंड पर भूकंप आया। हालांकि भूकंप के झटके महसूस नहीं किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2 मापी गई। वहीं, इसकी गहराई 5 किमी थी। भूकंप का केंद्र पश्चिमी दिल्ली था। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं ।

तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं सपा-कांग्रेस के शहजादे- मोदी

सीतापुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की, लोक सभा क्षेत्र धौरहरा की हरगांव (सीतापुर) विधानसभा में आयोजित चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लखीमपुर खीरी और सीतापुर को यूपी का चीनी का कटोरा कहा जाता है, लेकिन सपा सरकार ने गन्ना किसानों की जिंदगी में कड़वाहट घोल दी। गन्ना चला जाता था, भुगतान नहीं होता था। ये सारी कमियां योगी सरकार ने दूर कर दी। गन्ना किसानों को जितना पैसा सपा बसपा ने अपने 10 साल में नहीं दिया था, उतना पैसा योगी ने सात साल में दे दिया है। उन्होंने कहा कि यह इलाका केले की खेती का हब बने। इस पर भी हम काम कर रहे हैं। निघासन, धौरहरा मार्ग, गोला से शाहजहांपुर मार्ग का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि सीतापुर और लखीमपुर के लोग गर्व से कह सकते हैं कि हम किसी से कम नहीं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के शहजादे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में आरक्षण का कर्नाटक मॉडल लागू करना चाहती है। जब तक मोदी जिंदा है, धर्म के आधार पर आरक्षण होने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्त्रीधन मंगलसूत्र पर सपा और कांग्रेस वालों की नजर है। सीतापुर का हरगांव कस्बा लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर लखीमपुर जिले की सीमा से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर है। धौरहरा लोकसभा सीट में होने के साथ ही यहां के लोगों का जिले से जुड़ाव भी है। हरगांव से लखीमपुर की दूरी सीतापुर की अपेक्षा कम है। प्रधानमंत्री की चुनावी सभा को सीतापुर, धौरहरा और खीरी लोकसभा सीट के चुनावी समीकरण से जोड़कर देखा जा रहा है। यही वजह है कि सीतापुर और लखीमपुर शहर के बजाय हरगांव कस्बे को प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री की चुनावी सभा में दोनों जिलों के लोग पहुंचे।

कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा ने छोड़ी पार्टी बोलीं- मेरे अयोध्या जाने का हो रहा था विरोध

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को एक और झटका लगा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूं। साथ ही अपने पद से इस्तीफ़ा दे रही हूं।उन्होंने कहा कि हां, मैं लडक़ी हूं और लड़ सकती हूं और मैं अब वही कर रहीं हूं। राधिका ने कहा कि अपने और देशवासियों के न्याय के लिए मैं निरंतर लड़ती रहूंगी।

राधिका खेड़ा ने अपने इस्तीफे में लिखा कि हर हिंदू के लिए प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पवित्रता के साथ बहुत मायने रखती है।

रामलला के दर्शन मात्र से जहां हर हिंदू अपना जीवन सफल मानता है वहीं कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। राधिका ने लिखा कि मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए। जहां एनएसयूआई से लेकर एआईसीसी के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम किया। आज वहां ऐसे ही तीव्र विरोध का सामना मुझे करना पड़ा है, क्योंकि मैं अयोध्या में रामलला के दर्शन करने से खुद को रोक नहीं पाई।

राहुल-खरगे समेत कई नेताओं ने की पुंछ आतंकी हमले की निंदा

नई दिल्ली। पार्टी लाइन से हटकर कई नेताओं ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें भारतीय वायु सेना का एक कर्मी बलिदान हो गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नृशंस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय की पूरी ताकत का सामना करना पड़ेगा। मैं पुंछ में इंडियन एयर फोर्स के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसके परिणामस्वरूप चार साहसी वायु सेना कर्मी घायल हो गए। उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस नृशंस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय की पूरी ताकत का सामना करना पड़ेगा।

यह घटना सनाई गांव में हुई, जिसके बाद घायल कर्मियों को तुरंत उधमपुर के कमांड अस्पताल ले जाया गया, जहां दुर्भाग्य से उनमें से एक की चोटों के कारण मृत्यु हो गई। हमले के बाद स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स इकाई ने अपराधियों का पता लगाने के लिए सेना और पुलिस के सहयोग से आसपास के क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

राहुल गांधी की नागरिकता का हवाला देते हुए नामांकन रद्द करने की मांग

राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने वाले व्यक्ति का नाम अनिरुद्ध प्रताप सिंह है, जिनकी ओर से वकील अशोक पांडे ने इसे दायर किया है। वकील ने रायबरेली के रिटर्निंग ऑफिसर के पास राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कांग्रेस नेता की नागरिकता और उनकी सजा के आधार पर उनका नामांकन रद्द करने की मांग कीगई है। राहुल गांधी को मानहानि मामले में दो साल की सजा हुई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

वकील अशोक पांडे ने कहा, पहली बात, राहुल गांधी को दो साल की सजा हुई है। वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है, लेकिन अफजाल अंसारी जैसा कोई फैसला नहीं दिया है जिसमें उन्होंने कहा हो कि वह फिर से चुनाव लड़ सकते हैं। राहुल की सजा पर रोक के फैसले में चुनाव लड़ने की इजाजत मिलना शामिल नहीं है। 2006 में एक बार राहुल गांधी ने अपनी नागरिकता ब्रिटिश बताई थी। ब्रिटिश नागरिक होने के नाते वह संवैधानिक रूप से चुनाव नहीं लड़ सकते। मेरी शिकायत के बाद राहुल गांधी के प्रतिनिधि को बुलाया गया और मेरी शिकायत स्वीकार कर ली गई है।

वहीं, कांग्रेस नेता अजय पाल सिंह ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत को लेकर बयान जारी करते हुए कहा कि उनका नामांकन पहले भी वैध माना गया था और अब भी वैध है।

टीएमसी कांग्रेस से गठबंधन की इच्छुक थीः अभिषेक

-अधीर रंजन चौधरी की आलोचना के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं की

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि टीएमएस, कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती थी। इसके लिए वह राहुल गांधी से मिलने सुबह छह बजे उनके निवास पर भी गए थे। अभिषेक ने कहा कि टीएमसी, कांग्रेस के उम्मीदवार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के पश्चिम बंगाल में सच्चे प्रतिनिधि हैं।

अभिषेक ने कहा कि अगर वह गंभीर नहीं होते तो सुबह छह बजे दिल्ली में राहुल गांधी के निवालस पर नहीं जाते। टीएमसी लोकसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक थी और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी की आलोचना किए जाने के बावजूद हमने लंबे समय तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

उन्होंने कहा कि हमने कांग्रेस को दिसंबर तक का समय दिया था लेकिन हम ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते थे क्योंकि हमें भी चुनाव की तैयारी करनी थी। अधीर रंजन जो कह रहे थे, उस पर हमारी नेता ममता बनर्जी और पार्टी के एक भी प्रवक्ता ने 31 दिसंबर, 2023 तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अभिषेक ने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई के शत्रुतापूर्ण रवैये के कारण सीट बंटवारे पर बातचीत विफल रही। इसलिए टीएमसी का कांग्रेस से गठबंधन नही हो सका।

मेघालय में युवती से दुष्कर्म का प्रयास,दो आरोपितों की पीट-पीट कर हत्या

शिलांग। मेघालय के पूर्वी वेस्ट खासी हिल्स जिले में 18 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के लिए दो लोगों की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिला मुख्यालय मैरांग के समीप नोनगथलिएव गांव में शुक्रवार दोपहर यह घटना हुई।

युवती ने आरोप लगाया कि जब वह अपने घर में अकेली थी तब दोनों ने एक चाकू से उसपर हमला किया और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी वहां आ जुटे और दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद भीड़ उन्हें समीप स्थित कम्युनिटी हाल ले गई और पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन बचा नहीं पाई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अडानी की सिक्योरिटी, सीआईएसएफ होगी संसद भवन में तैनात

नई दिल्ली (ईएमएस) । दिल्ली एयरपोर्ट की सिक्योरिटी जल्द ही अडानी समूह के पास होगी।दिल्ली एयरपोर्ट पर अभी सीआईएसएफ की सिक्योरिटी लगी है। इस सिक्योरिटी को संसद भवन में तैनात किया जाएगा। संसद भवन की अभी जो सिक्योरिटी है। उसमें 3600 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, उनको मंत्रालयों और अन्य विभागों में तैनात किया जाएगा। दिल्ली एयरपोर्ट की सिक्योरिटी अडानी समूह को दिए जाने के बाद संसद की सिक्योरिटी को बदल दिया जायेगा।पिछले सत्र मे संसद में हुए हमले के बाद, संसद की सिक्योरिटी को मजबूत बनाने के लिए सीआईएसएफ के हवाले की जा रही है। पहली बार दिल्ली जैसे संवेदनशील एअर पोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था निजी कम्पनी के हवाले की जा रही है। अभी लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं। इस स्थिति में सरकार द्वारा सुरक्षा से संबधित इतना बड़ा फैसला लिया गया है।अडानी के पास अभी भारत के 14 एअर पोर्ट हैं।आगे चलकर अन्य एअरपोर्ट मे भी अडानी की सिक्योरिटी तैनात करने का रास्ता खुल जायेगा। इसको लेकर संसद की सिक्योरिटी मे जो स्टाफ अभी तैनात है। उसने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है।

अश्लील वीडियो मामले में जेडीएस सांसद प्रज्ज्वल के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस

बंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक के हासन से लोकसभा उम्मीदवार और जेडीएस नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना विवादों में घिरे हुए हैं। यौन शोषण मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने रविवार को बताया कि प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। रेवन्ना की भारत वापसी के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। इंटरपोल प्रज्ज्वल के बारे में सभी देशों को सूचित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रज्ज्वल को कैसे वापस लाया जाए, इस पर जांच के लिए गठित विशेष जांच दल ही फैसला करेगा।

ब्लू कॉर्नर नोटिस अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन की तरफ से जारी किया जाता है, जिसे इंटरपोल कहा जाता है। जानकारी के अनुसार, किसी अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान सहित अन्य जानकारी एकत्र करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करता है। नोटिस के लिए जांच एजेंसी को इंटरपोल से अनुरोध करना पड़ता है। बता दें, इंटरपोल अलग-अलग तरह की कार्रवाई के लिए विभिन्न रंग के कॉर्नर नोटिस जारी करता है।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाए आरोप

हासन लोकसभा क्षेत्र से जदएस-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के भतीजे हैं। सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर अपने गठबंधन के सहयोगी जदएस के उम्मीदवार को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि प्रज्ज्वल के बारे में जानकारी होने के बावजूद भाजपा ने जदएस के साथ गठबंधन क्यों किया?

भारत को पीओके पर कब्जे में करने की जरूरत नहीं पड़ेगी : राजनाथ सिंह

- कश्मीर का विकास देख लोग ही कहेंगे कि हमें भारत में शामिल होना है

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा। भारत को पीओके को बलपूर्वक अपने कब्जे में करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि यहां के लोग ही कश्मीर में हुए विकास को देखने के बाद खुद भारत में शामिल होना चाहेंगे। यह बात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक साक्षात्कार में कही।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में काफी सुधार हुआ है और एक समय ऐसा आएगा जब केंद्र शासित प्रदेश में अफस्पा की जरुरत ही नहीं होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है और वह इस पर उचित निर्णय लेगा। जम्मू-कश्मीर में चुनाव भी जरूर होंगे, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से जमीनी हालात बदले हैं, क्षेत्र में जिस तरह से आर्थिक प्रगति हो रही है और वहां शांति लौटी है, मुझे लगता है कि पीओके के लोगों की ओर से यह मांग उठेगी कि उनका भारत में विलय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीओके पर अपना कब्जा करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करना पड़ेगा क्योंकि लोग ही कहेंगे कि हमें भारत के साथ जाना है। ऐसी मांगें अब उठ रही हैं। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि पीओके हमारा था, है और हमारा ही रहेगा।

राजनाथ ने कहा कि वहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होंगे, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से स्थिति में सुधार हो रहा है, उसे देखकर लगता है कि एक समय आएगा जब वहां अफस्पा की जरुरत ही नहीं पड़ेगी। यह मेरा विचार है और इस पर निर्णय गृह मंत्रालय को लेना है। बता दे अफस्पा सुरक्षा बलों को अभियान चलाने और बिना किसी पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। अगर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में गोली लगने से किसी की मौत हो जाती है तो ऐसी स्थिति में अफस्पा उन्हें सजा से छूट देता है।

रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के छद्म युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि वे भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं और हम ऐसा नहीं होने देंगे। पुलवामा आतंकवादी हमले के जवाब में फरवरी 2019 में भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पैदा हो गया है। भारत द्वारा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने की घोषणा के बाद संबंध और भी खराब हो गए। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ पड़ोसी देशों की तरह सामान्य संबंध रखना चाहता है लेकिन इसके लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

भारतीय चुनाव प्रक्रिया, दुनिया के लिए विशाल लोकतांत्रिक अधिशेष बनाता हैः सीईसी राजीव कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक देशों के बीच चुनावी कार्य प्रणालियों के उच्च मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) के अंतर्गत 23 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 प्रतिनिधि भारतीय आम चुनावों को देखने के लिए भारत में हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आज नई दिल्ली में सीईसी राजीव कुमार और ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की उपस्थिति में किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय चुनावी क्षेत्र का योगदान और भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किया गया कार्य विश्व लोकतांत्रिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हिस्सा रखता है। प्रक्रिया और क्षमता के संदर्भ में, जिसे वैध रूप से लोकतांत्रिक अधिशेष कहा जा सकता है, दुनिया भर में लोकतांत्रिक स्थानों के संकुचन या गिरावट की बढ़ती चिंताओं में बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री कुमार ने कहा कि भारतीय चुनाव क्षेत्र अद्वितीय है, क्योंकि न तो चुनावी पंजीकरण अनिवार्य है और न ही मतदान अनिवार्य है। इसलिए, चुनाव आयोग के लिए यह आवश्यक है कि वह लोगों को स्वेच्छा से मतदाता सूची का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने और फिर, एक व्यवस्थित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से, उन्हें सहमति के अधिकार का प्रयोग करने के लिए मनाने के लिए पूरे विश्वास के साथ काम करे। उन्होंने कहा, यह कहना स्वयंसिद्ध होगा कि हम जो प्रक्रिया अपनाते हैं उसकी विश्वसनीयता चुनावों में भारी मतदान और मतदाता-जनसंख्या अनुपात के संदर्भ में मतदाता सूची की लगभग संतृप्ति के माध्यम से मान्य होती है।

उन्होंने कहा कि देशभर में फैले 1 मिलियन से अधिक मतदान केंद्रों पर 15 मिलियन से अधिक मतदान कर्मियों द्वारा 970 मिलियन मतदाताओं का स्वागत किया जाएगा। देश के मतदाताओं की विविधता को मतदान केंद्रों पर आने वाले प्रतिनिधियों द्वारा अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति में देखा जा सकता है। भारत त्योहारों का देश है और उन्होंने प्रतिनिधियों को लोकतंत्र के त्योहार का प्रत्यक्ष अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया। आयोजन से इतर, आयोग ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और नेपाल के मुख्य चुनाव आयुक्तों और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की।

गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी में अपनी सहायक कंपनी स्थापित करने के लिए आरबीआई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसयू) और अग्रणी एनबीएफसी- आरईसी लिमिटेड को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से गुजरात के गांधीनगर स्थित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी)- गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी (गिफ्ट) सिटी में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (दिनांक 3 मई,) प्राप्त हुआ है। भारत में वित्तीय सेवाओं के उभरते केंद्र-गिफ्ट में परिचालन का विस्तार करने का निर्णय उस समय लिया गया, जब आरईसी अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और विकास के नए क्षेत्रों की तलाश कर रही है। यह प्रस्तावित सहायक कंपनी गिफ्ट के अधीन एक वित्तीय कंपनी के रूप में ऋण, निवेश और अन्य वित्तीय सेवाओं सहित कई वित्तीय गतिविधियों में शामिल होगी।

आरईसी लिमिटेड के सीएमडी विवेक कुमार देवांगन का कहना है कि, ''गिफ्ट सिटी मंच विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ अंतर्राष्ट्रीय ऋण गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि आरईसी वैश्विक बाजार में अपने लिए जगह बनाने के लिए इन लाभों का उपयोग करेगा।

उन्होंने कहा कि, गिफ्ट सिटी स्थित यह इकाई न केवल आरईसी के लिए नए व्यावसायिक अवसर प्रस्तुत करेगी बल्कि, देश के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी। हम वैश्विक मंच पर अपनी मौजूदगी का विस्तार करते हुए भारत के बिजली और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के आरईसी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इस रणनीतिक पहल का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं।

जन हितैषी

22 साल बाद प्रधानमंत्री को क्यों याद आया गोधरा कांड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल बाद लोकसभा चुनाव के दौरान 2002 में हुए गोधरा कांड की याद दिलाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को हाल ही में दिए गए बयान में लपेटने की कोशिश की हैइसे राजनीतिक हलकों में आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस 6 कोच में गोधरा में आग लगी थीतब गुजरात में नरेंद्र भाई मोदी मुख्यमंत्री थे। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार थी। गुजरात सरकार ने कहा था, कि कार सेवक जिस डब्बे में बैठे हुए थे। उसमें एक धर्म विशेष के लोगों ने आग लगाई है। जिसे गोधरा कांड के नाम से जाना गया। इसके बाद गुजरात में भारी नरसंहार हुआ। गुजरात में हुए दंगों में हजारों लोग मारे गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मुख्यमंत्री मोदी से राजधर्म निभाने की अपील की थी। अटल बिहारी वाजपेई उनका इस्तीफा लेना चाहते थे। तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के बीच इस्तीफे को लेकर मतभेद होने के कारण गुजरात मे नरेंद्र मोदी की सरकार बची रही। गोधरा दंगो के लगभग 9 माह बाद दिसंबर 2002 में विधानसभा के चुनाव हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत से जीत हासिल हुई। उसके बाद लगभग 14 महीने बाद मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने दूसरी बार शपथ ली। मोदी का गुजरात मॉडल और हिंदू प्रयोगशाला की सफलता के रूप में इसे जाना गया। 2002 के बाद हिंदी भाषी राज्यों में धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयोग गुजरात मॉडल के रूप में किया गया। जिसके कारण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में बड़ा लाभ भाजपा को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार ?के रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर ?निशाला साधा है। उन्होंने 2004 में यूसी बनर्जी कमेटी का गठन किया था।17 जनवरी 2005 को कमेटी की रिपोर्ट आ गई थी। जिसमें बताया गया था, कि ट्रेन में आग दुर्घटनावश लगी थी। ट्रेन के कोच में आग किसी के द्वारा नहीं लगाई गई थी। इस कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात सरकार ने ठुकरा दिया था। गुजरात सरकार ने मार्च 2002 मे नानावटी शाह आयोग से गोधरा कांड की जांच कराई जा रही थी।18 दिसंबर 2008 को इसकी रिपोर्ट आई। जिसमें गोधरा कांड को पूर्व नियोजित साजिश बताया गया। इसकी रिपोर्ट आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर गोधरा कांड को लेकर जो आरोप लग रहे थे। उससे उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी। 22 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर गोधरा कांड का उल्लेख किया है। निश्चित रूप से एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की याद दिलाकर,धार्मिक ध्रुवीकरण को तेज करना चाहते हैं। अगले पांच चरणों में उत्तर प्रदेश की 62 और देशभर की 352 लोकसभा सीटों के चुनाव होना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद जो ध्रुवीकरण होना था,वह नहीं हुआ। धारा 370 लागू करने के बाद, कश्मीर घाटी और लद्दाख में भाजपा चुनाव नहीं लड़ पा रही है। महंगाई, बेरोजगारी और भारी टैक्सेशन के कारण जनता के बीच सरकार से नाराजी बढी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डबल इंजन की सरकारों के होते हुए,पिछले 10 वर्षों में हिंदुओं को मुसलमानो से डराने का जो अभियान चलाया जा रहा है। वह मतदाताओं को अब प्रभावित नहीं कर रहा है। ?किसी को भी ज्यादा ?दिनों तक डराकर नहीं रखा जा सकता है। गोधरा को एक बार फिर लोकसभा चुनाव में लाकर क्या धार्मिक धुर्वीकरण कराने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री ने जो आरोप सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव के ऊपर लगाया है। उनका गोधरा कांड से कोई लेना-देना नहीं था। केंद्र सरकार की भूमिका बहुत सीमित थी। नानावटी शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ही सारी कार्रवाई गुजरात सरकार के ?निर्देशन में हुई। कानून व्यवस्था राज्य का अधिकार है। 2024 के लोकसभा चुनाव मे सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को निशाने पर लेना है। जो यह बताता है,गोधरा को जिंदा करके 2024 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लड़ना चाहते हैं। यह उनके लिए एक बड़ा जोखिम भी हो सकता है। उन्होंने यह जोखिम उठाया है, तो इसके पीछे कोई ना कोई बड़ा कारण तो होगा।

चुनाव में सभी दलों की निगाहें युवाओं पर टिकी

अगर लोकतंत्र के महायज्ञ की बात करें तो समारोह की घोषणा 28 मार्च क्रो माननीय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुरू हो गया मुख्य चुनाव आयुक्त ने 2024 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जो 19 अप्रैल से 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात चरणों में होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात तारीखों पर मतदान होगा, जबकि जम्मू और कश्मीर में पांच चरणों में मतदान होगा, सात जिलों में मतदान की प्रक्रिया 19 अप्रैल क्रो खत्म हो गई और 1 जून तक सभी सात जिलों में मतदान पूरा हो जाएगा। । पूरे देश में वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 4 जून दोपहर तक नई सरकार की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। सत्ता की चाभी विशेषकर महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के हाथ में लगती दिख रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, युवा मतदाताओं की मुखरता नतीजों में झलक रही है। लोकसभा के पिछले दो चुनावों में वह युवा मतदाताओं यानी श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं। हालाँकि, जिन देशों में क्षेत्रीय दल और सरकारें सत्ता में रही हैं, उनमें युवाओं ने क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी है। इसका कारण यह नहीं है कि युवा भाजपा के समान ही हैं, बाल्कि युवा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक दलों का स्तर भी अलग-अलग स्तर पर देखा गया है। युवा और महिला मतदाताओं ने वोट देने की पहल की है और इसमें कोई संदेह नहीं है, 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाएं और युवा भाजपा के लिए मजबूत मतदाता पाए गए हैं। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे जटिल लोकतंत्र है। मतदाताओं की बहुसंख्यक आबादी, विविधताएं और भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, खासकर चुनाव आयोग और चुनाव आयोग के लिए। लेकिन हमें गर्व है कि हमारा चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली दुनिया के देशों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। दुनिया, उसके देश और हमारी सरकार व चाहतों पर नज़र रहती है।

पहले चुनावों ने देश में पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है और दुनिया भर के लोग हमारे चुनावों और मतदान के साथ-साथ मतगणना में भी रुचि रखते हैं। वे देखने और समझने आते हैं। पूरी दुनिया, देशों की नज़र हमारे सपनों पर रहती है। यहां खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए, इसलिए प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा बंद व्यवस्था की आलोचना की गई है। मतदाता मतदान आसान, सुलभ हो गया है और राजनीतिक दलों या अन्य बाहरी प्रभावों पर मतदाताओं की निर्भरता समाप्त हो गई है। जबकि दुनिया के अन्य देशों में लोकतंत्र समान है, हमारे इंडिया में कुल मतदाताओं की तुलना में 18 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाता अधिक हैं। इसके अलावा 26 से 35 वर्ष तक के मतदाता भी युवा और युवा वर्ग की श्रेणी में आते हैं। हमारे देश में विश्व के सबसे अधिक मतदाता संख्या वाले देशों की कुल संख्या से भी अधिक मतदाता हैं। इस साल 18वीं विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में 98।6 फीसदी मतदाता हिस्सा लेंगे, जबकि यूरोपीय संघ में 40 फीसदी, इंडोनेशिया में 20।4 फीसदी, अमेरिका में 16 फीसदी और पाकिस्तान में 12।8 फीसदी मतदाता होंगे। वह एक बिगड़ैल वोटर हैंजो धर्म के नाम पर चुनाव का नतीजा तय करती है खैर, यह अलग बात थी, लेकिन लोकसभा में पहले दो मुकाबलों के नतीजों से यह साफ हो गया कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया, वही सरवेरा बन गया। दिलचस्प बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में यह विश्वास ही नई सरकार की कुंजी है, खासकर भारत सरकार को मजबूत करने में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी। रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के मुताबिक, 18वीं लोकसभा के चुनाव में 543 सीटों के लिए 96।8ड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 82 लाख नए पंजीकृत मतदाता हैं, 47।15 लाख महिला मतदाता हैं और 49।7 नए पंजीकृत मतदाता हैं। जहां 17वीं लोकसभा चुनाव में लगभग 1।5 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे, वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव में 1।82 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे। वे क्या उपयोग करेंगे? दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को दो श्रेणियों यानी 18 से 25 साल और 26 से 35 साल में बांटकर वोटिंग प्रतिशत का आकलन और विश्लेषण किया गया था। बात यह है कि युवाओं में, समाज के दोनों वर्गों में भाजपा और कांग्रेस की तुलना में मतदान का अंतर बहुत अधिक था। 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 साल के 44 फीसदी युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया, जबकि 26 से 35 साल के 46 फीसदी युवाओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों आयु वर्ग में 26-26 फीसदी मतदाताओं ने ब्रिटिश प्रेस पर भरोसा जताया, जबकि 28 से 30 फीसदी युवाओं ने दूसरी पार्टियों पर भरोसा जताया। लेकिन अलगयुवा युवाओं के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच विश्वास को लेकर कोई बड़ी बात नहीं है और यहां बताया गया है कि वे बीजेपी और नरेंद्र मोदी को क्यों पसंद करते हैं?क्योंकि वो मजबूत चेहरा के रूप में श्री नरेंद्र मोदीजी और उप्र के मुख्य मंत्री योगीजी उभरे हैं। 2019 में वोट बंटवारे से यह भी स्पष्ट हो गया कि विपक्षी दलों में बिना पेंदी के लोटा जैसा है और सभी पार्टियों के मन में प्रधानमंत्री का सपना है। चाहे युवा हों, महिलाएं हों या नए मतदाता हों, तीनों ही श्रेणियों में बीजेपी को कांग्रेस के मुकाबले बहुत ज्यादा समर्थन मिला है।क्योंकि कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रही है और जिस तरह श्री राहुल गाँधी की भाषा पब्लिक के सामने आई है वो नहीं चाहती है देश और भी संकट में जाए इससे यह स्पष्ट होता है कि 2024 का चुनाव युवाओ और महिलाओ के कारण दिशा तय करेंगी इस शताब्दी के पूर्वार्ध में अनुमानित जनसंख्या वृद्धि चुनौतीपूर्ण है। अनुमान के आधार पर, मध्य शताब्दी तक 9 से 10 अरब लोग होंगे। वर्तमान जनसंख्या केवल 7 अरब से कम है, जिसका अर्थ है कि इस सदी की शुरुआत से मध्य तक लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोई विशेष मॉडलों की सापेक्ष सटीकता पर बहस कर सकता है, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि आने वाले दशकों में खिलाने के लिए कई और अधिक मुंह होंगे। आईटी ने मानव प्रयास के कई अन्य पहलुओं को बदल दिया है और व्यापक सामाजिक आवश्यकताओं का जवाब देने के लिए सिस्टम बनाने में मदद की है। दरअसल, परिवहन, संचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियाँ बुनियादी कार्यों को करने के लिए भी पूरी तरह से आईटी पर निर्भर हैं। हालाँकि, सूचना और इसके स्वचालित तकनीकी अवतार ने कृषि को समान स्तर पर प्रभावित नहीं किया है। कृषि का महत्व कृषि एक प्रमुख क्षेत्र है जो आधुनिक मनुष्य के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पौधे खाद्य श्रृंखला में उत्पादक हैं, और उनके बिना, जीवन चक्र संभव नहीं होगा। कृषि उपज, हालांकि अन्य खाद्य स्त्रोतों की तुलना में अच्छा है या खराब ये किसान आंदोलन से नहीं किसानों के वोट तय करेंगे किसान अपने फसलों का उपयोग कई खाद्य स्त्रोतों को स्वयं या उप-उत्पादों जैसे ब्रेड, पाउडर, अन्य वस्तुओं में कार्बनिक योजक आदि के माध्यम से उत्पादित करने के लिए किया जाता है। कृषि से प्राप्त उपज एक देश से दूसरे देश में व्यापार को बढ़ाती है, किसानों के लिए आय लाती है, अन्यथा बेकार पड़ी भूमि का उत्पादक उपयोग करती है, और मेज पर भोजन लाती है। यह हर किसी के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि इसे प्रत्यक्ष कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि उपज उन सभी के हाथों तक पहुंचने से पहले एक लंबा रास्ता तय करती है जो इससे लाभान्वित होते हैं। भारतीय कृषि भारत की जीडीपी में 18।6 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 59 प्रतिशत भारतीय कृषि क्षेत्र से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। समाज के लिए इसके महत्व के कारण, इसे समय के साथ विकसित होना चाहिए और आधुनिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समायोजित होना चाहिए।

कृषि प्रगति को बेहतर बनाने में मदद के लिए आईटी को अपनाने और उसका उपयोग करने से, इन क्षेत्रों के मिलन से सभी को लाभ होता है। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में हमारे राज्य ने पिछले पांच वर्षों में चौथी बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है। यह किसानों और अन्य हितधारकों के लिए प्रौद्योगिकियों की मदद से अधिक रुचि लेने का उदाहरण स्थापित करता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल को युवाओं और महिलाओं को अपने गुस्से से रुलाना होगा। उन एजेंडों को चुनाव घोषणापत्रों में इस तरह रखना होगा कि युवा मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। बीजेपी जहां 370 और 400 की बात कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल, वेस्ट व साउथ में एक-दूसरे से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वह बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों से सत्ताधारी पार्टियां ने जनाधार खोकर फिर बापसी भी की है जहाँ उन्होंने कर्नाटका और हिमाचल खोया वहीं हार से सबक लेकर राजस्थान, मप्र, और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की है हाशिए पर जा रही हैं, ऐसे में बीजेपी या नरेंद्र मोदी का उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना कोई कोरी कल्पना नहीं लगती। है। अब युवावस्था और परिपक्वता पर संदेह करना बेमानी होगा। इसलिए अब युवा क्रांतिकारियों के जाल में नहीं फंसने वाले हैं, ऐसे में कोई ठोस रणनीति ही युवाओं को प्रभावित कर उनका सर्वेक्षण कर सकेगी। इसलिए, प्रिय युवाओं, कृपया समझ लें कि वे आगामी लोकसभा की तस्वीर बनाएंगे और 18वीं लोकसभा की सत्ता पूरी तरह से युवाओं के हाथ में है और युवा ही अपने दम पर सत्ता की सीढ़ियां पार करते हैं। इसे एक अच्छा संकेत भी माना जा सकता है कि देश की युवा पीढ़ी मुखर हो रही है और अपनी भावनाओं में परिपक्वता का पक्ष रख रही है। ऐसे में राजनीतिक दलों और ठोस मुद्दों को आगे आना होगा तभी युवा मतदाता अपना मन बना सकें।

इसलिए, राजनीतिक दलों और युवाओं में दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बहुत उत्साहित है राजनीतिक दलों, बाएँ, दाएँ, बाएँ और दाएँ को इसका और विशेषकर युवाओं का समर्थन करने के लिए बड़े बड़े उपाय करने होंगे। इसमें कोई दो राय नहीं हैं, कि 18वीं लोकसभा की सत्ता पूरी तरह से युवाओं के हाथ में है और युवा ही अपने दम पर सत्ता की सीढ़ियां पार करते हैं। इसे एक अच्छा संकेत भी माना जा सकता है कि देश की युवा पीढ़ी मुखर हो रही है और अपनी भावनाओं में परिपक्वता का पक्ष रख रही है। ऐसे में राजनीतिक दलों और ठोस मुद्दों क्रो लेकर आगे आना होगा इसमें वर्तमान सरकार की मेक इन इंडिया व स्टार्टअप से युवाओ में नए भारत क्रो मजबूत बननाए जो समय लगेगा लेकिन संकल्प है और उमंग है और जोश से लबलब और तकनिकी से लैस हों तभी युवा मतदाता अपना मन एक नए भारत की दिशा क्रो आगे लें जा सकेंगे और ऐ तभी संभव है जब देश आतंकवाद व नक्सलवाद से मुक्त होगा और शांति की राह पर तगड़ा कानून से लैस होगा। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

राजनीति - वार पर वार करने से क्या फायदा ?

अजब राजनीति है ,गजब राजनीति है। आज की राजनीति में राजनीति पर बात ही नहीं हो रही। राजनीति पर बातचीत के अलावा हर विषय पर बात हो रही है। और तो और अब काल्पनिक उपाधियाँ राजनीति का विकल्प बन गयीं है विमर्श के लिए। राजनीतिक दलों को एक -दूसरे पर वार करते देख हमारे पड़ौसी पाकिस्तान ने भी हमारी सेना पर आतंकी हमला कर दिया । क्योंकि वार प्रति वार में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी बार-बार पाकिस्तान को घसीट रहे थे ,जबकि बेचारा पाकिस्तान अपनी ही समस्याओं से बाहर निकल नहीं पा रहा है।

बात शरू करते हैं उपाधियों से। माननीय नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी जी ने कांग्रेस के नेता माननीय राहुल राजीव गांधी को शहजादे कहना शुरू किया तो कांग्रेस दस साल तो मौन रही लेकिन अब शाहजादे की सहोदरा प्रियंका ने मोदी जी को ही शंहशाह बताना शुरू कर दिया है। प्रियंका कहतीं है कि उनके भाई ने तो पैदल 4 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत को जोड़ने की कोशिश की है लेकिन शंहशाह माननीय नरेंद्र भाई मोदी महलों में रहते हैं। आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है ? एकदम साफ सुथरा सफेद कुर्ता, एक दाग नहीं है धूल का। एक बाल इधर से उधर नहीं होता है। वो कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दलदल में धंसे हुए हो. महंगाई से आप दब चुके हो. हर तरफ महंगाई, मेरी बहनें... मिट्टी का तेल आज कितने का है? सब्जी खरीदने जाती हो,मिलती है क्या? भाव क्या है उसका ?

आपको बता दूँ कि जैसे मै टीवी पर नेताओं के दर्शन नहीं करता, उनके प्रवचन नहीं सुनता वैसे ही अखबारों में भी नेताओं की बातों पर ध्यान नहीं देता । मै नौन,तेल ,लकड़ी से ही नहीं उबर पाता फिर भी सबकी बातें कानों में पड़ ही जातीं हैं। मै कभी-कभी सोचता हूँ कि यदि राहुल गांधी शाहजादे हैं तो फिर अम्बानी और अडानी के तो जिल्लेइलाही से बढ़कर ही होंगे,क्योंकि उनके पास तो राहुल गाँधी और नरेंद्र भाई मोदी से ज्यादा धन-दौलत है । अडानी और अम्बानी तो कभी देश जोड़ने सड़कों पर नहीं निकलते। उन्हें तो देश में नौन ,तेल,लकड़ी आटा का भाव मालूम नहीं होगा !

हमारे देश की जनता बड़ी भोली-भाली है ,आजकल तो आधी जनता अंधभक्ति में भी डूबी है। जनता माननीय मोदी जी की बात पर भरोसा कर जैसे राहुल गांधी को शाहजादा नहीं मान रही मुझे लगता है कि प्रियंका के कहने पर मोदी जी को शहंशाह नहीं मानेगी।बकौल मोदी जी कांग्रेस और कांग्रेस के नेता विश्वास खो चुके हैं। इस समय देश में शहंशाह तो हमारे अमिताभ भाई बच्चन ही हैं। हाँ मोदी जी राजनीति के शहंशाह हो सकते हैं ,क्योंकि उनके पास सब कुछ है लेकिन एक अदद साइकल नहीं है।अब तो माँ भी नहीं है । पत्नी को वे पहले ही त्याग चुके हैं भारत में जिस देश के पास साइकिल भी न हो,माँ न हो ,पत्नी न हो उसे शहंशाह कहना भारत में शहंशाह रहे तमाम शंशाहों की तौहीन है। खुला अपमान है।

बहरहाल दाल-भात में मूसलचंद की तरह माननीय मोदी जी ने जब बार-बार पाकिस्तान को भारत के चुनावों में घसीटा तो वो सचमुच भारत आ ही गया । पाकिस्तान के आतंकवादियों ने पूंछ में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमला कर दिखा दिया कि पाकिस्तान के आतंकी किसी 56 इंच के सीने वाले से नहीं डरते। पाकिस्तान को इस हिमाकत की सजा मिलना चाहिए। मुमकिन है कि मतदान का तीसरा चरण पूरा होते-होते ये छोटा सा आतंकी हमला पुलवामा काण्ड की तरह बड़ा स्वरूप ले ले। भले ही ये सब देशहित में नहीं होगा लेकिन इससे सत्तारूढ़ दल की डूबती नाव तो बचाई जा सकती है। मुझे कभी -कभी आशंका होती है कि मोदी जी राहुल की तरह बार-बार पाकिस्तान को भी उकसाते रहते हैं कि -आ बैल मुझे मार

मोदी जी सनातनी आदमी हैं। सनातन को मानते हैं लेकिन केंद्रीय चुनाव आयोग को नही। वैसे ये उनके मन की बात है । पिछले दिनों जब इसरो के वैज्ञानिकों ने अपना तमाम कामकाज छोड़कर माननीय के निर्देश पर रामलला को सूर्यतिलक कराया था तब माननीय मोदी जी आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए अयोध्या नहीं गए था ।

उन्होंने अपने हैलीकाप्टर में ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बाकायदा अपने जूते उतारकर इस दृश्य को देखा था। लेकिन अब मोदी जी का मन बदल गया है। वे उत्तरप्रदेश में राहुल गांधी की वापसी के बाद अयोध्या जाकर न सिर्फ वहां रोड शो करेंगे बल्कि रामलला के दर्शन भी करेंगे । अब किसी आदर्श आचार संहिता का उललंघन नहीं होगा। हो भी जाये तो कौन परवाह करता है।? रामलला बड़े कि केंचुआ ?

संयोग से हमारे देश की आदर्श चुनाव संहिता में चुनाव प्रक्रिया के चलते दल-बदल करने पर कोई रोक नहीं है। इसी का लाभ लेते हुए भाजपा कांग्रेस के हाथों से उनके बम ही नहीं छुड़ा रही बल्कि फेयर एंड लवली को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से नहीं हिचक रही। एन मतदान के दिन तक दल-बदल स्वीकार कर रही है । मियाँ-बीबी राजी तो क्या करेगा काजी ? कांगेसी यदि भाजपा में शामिल हो रहे हैं तो मोदी जी क्या करें ? शरणार्थी को वापस लौटा दें ? ये तो राजधर्म नहीं है न ? राम जी ने कभी बिभीषण और उसके बाद आने वाले राक्षसों को वापस लौटाया था क्या ? अर्थात रामभक्त और रामदास भाजपा का शरणार्थी शिविर खुला था सो खुला ही रहेगा कांग्रेसियों के लिए। कांग्रेस में जब भी किसी का दिल टूटे,उपेक्षा हो तो वो बेधड़क भाजपा में शामिल हो सकता है। भाजपा का कांग्रेसीकरण ही भाजपा कि प्राथमिकता है। कांग्रेसियों को शासन करने और भ्र्ष्टाचार करने में महारत हासिल है और भाजपा को इसकी सख्त जरूरत है चार सौ पार करने के लिए।

माननीय मोदी जी कितने दरियादिल हैं इसका उदहारण हाल ही में देखने में आया। माननीय मोदी जी ने बिहार में विहार करते हुए दरभंगा में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव को भी शाहजादे की उपाधि दे दी। ठीक वैसे ही जैसे कि - जो संपति सिव रावनहि, दीन्हि दिएँ दस माथ।. सोइ संपदा बिभीषनहि, सकुचि दीन्हि रघुनाथ। मोदी जी आखिर मोदी जी हैं। किसी को भी राजा और किसीको भी रंक बना सकते हैं। अरविंद केजरीवाल को ही देख लीजिये। हेमंत को देख लीजिये। इधर अडानी को देख लीजिये ,अम्बानी को देख लीजिये। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं। मोदी जी कि दरियादिली का लाभ पूर्व संसद बृजभूषण सिंह के बेटे को भी मिला और पंडित टैनी के बेटे को भी। मै इस आधार पर कह सकता हूँ कि जितना समाजवाद भाजपा में है उतना किसी और दल में नहीं।

मुझे भी 7 मई को मतदान करने जाना है। सोच रहा हूँ कि मैं भी किसी शाहजादे कि तरह वोट डालने जाऊं । हालांकि मै शाहजादा नहीं हू। मेरे पिता सरकारी अफसर जरूर थे। हाँ मैंने कभी चाय नहीं बेचीं। शाहों के लड़के चाय बेचते भी नहीं हैं। वे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को कंट्रोल करते हैं। कुल जमा ये कि आप इस उठापटक के बीच 7 मई को तीसरे चरण के मतदान में निष्ठा से हिस्सा लीजिये। आपको शहंशाह चुना है या जिल्लेइलाही ? ये आप खुद तय करें ?(लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

सवाल.... हमारे संविधान की अहमियत का....?

(चर्चित चर्चा) विश्व के सभी प्रजातंत्रीय या लोकतंत्री देश हमारे देश के संविधान की न सिर्फ तारीफ करते हैं, बल्कि अमेरिका जैसे देशों ने तो उसकी नकल भी की है, किंतु आज जब हमारे संविधान को लागू हुए करीब पचहत्तर वर्ष पूरे होने जा रहे है...., इस पर अनेक सवाल उठाए जा रहे है और ये सवाल और कोई नही बल्कि उसी दल के नेता उठा रहे है, जिन्होंने आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक समय सत्ता में रहकर मौजूदा संविधान को जन्म देने का श्रेय लूटा, इसी दल ने सत्ता में रहते अब तक इस संविधान पर एक सौ से अधिक तीर चलाकर इसे 'शरशैय्या' पर पड़े रहने को मजबूर किया है, अपनी मनमर्जी से संविधान को तोड़ने-मरोड़ने वाला दल आज सत्तारूढ़ दल पर संविधान के विपरीत काम करने के आरोप लगा रहा है, आज के मुख्य प्रतिपक्षी दल के वे नेता जिनका जन्म इस संविधान के लागू होने के बाद हुआ और जिन्होंने स्वयं संविधान नही पढ़ा। आज संविधान में मीन-मैख निकाल रहे है।

वैसे यह भी एक कटु सत्य है कि अब तक हर सत्तारूढ़ दल ने हमारे संविधान को धार्मिक ग्रंथ रामायण, श्रीमद्भागवत गीता, कुरान और गुरूग्रंथ साहब की तरह लाल कपड़े में लपेट कर रखा और इसका उपयोग सिर्फ और सिर्फ इसे हाथों में लेकर शपथ तक ही सीमित रखा, इसका सही अर्थो में अनुसरण करने का किसी भी सत्ताधारी दल ने प्रयास नही किया, जबकि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आम्बेड़कर ने बड़ी आशा व उम्मीदों के साथ इसकी रचना की थी, किंतु सिर्फ पचहत्तर साल की अवधि में ही हमारे संविधान की अंतिम यात्रा की तैयारी की जा रही है और उसे देश का मार्गदर्शक नहीं मानकर एक धर्मग्रंथ की मानिंद इसका उपयोग किया जा रहा है।

हमारे इसी संविधान का अगले साल हीरक जयंति वर्ष है, इस वर्ष को जोर-शोर से मनाने की तैयारी भी की जा रही है, सत्ता और विपक्ष दोनों ही इस दिशा में तैयारी कर रहे है, किंतु मेरी दृष्टि में संविधान की हीरक जयंती मनाने के सही पात्र वे है, जिन्होंने इसकी कायदे से इज़्ज़त कर इसे ईमानदारी से लागू करने और इस पर अपने आपको समर्पित करने का प्रयास किया हो, लेकिन अब तो हमारे इस संविधान को भी ''राजनीतिक नारा'' बनाने का प्रयास किया जा रहा है? क्या संशोधन की 'शरशैय्या' पर पड़े इस संविधान की गति भी द्वापर के महाभारत के भीष्म पितामाह जैसी ही होगी?

इसी बात को लेकर आज पूरे विश्व के देश भारत का मजाक उड़ा रहे है और आरोप लगाया जा रहा है कि संविधान को भारत के सत्ता में रहने वाले राजनीतिक दलों ने ''सत्ता-सुरक्षा-हथियार'' बना रखा है। अब यह आरोप कहा तक सही है, यह तो भारत के आत्मचिंतन के बाद ही पता चलेगा, किंतु यदि इसमें तनिक भी सच्चाई है तो यह हमारे लिए 'शर्मनाक' है, क्योंकि संविधान को हमने हमेशा सत्ता का मार्गदर्शक सिद्धांत माना है और वही मंत्र रहा है।

इसलिए अब यह जरूरी हो गया है कि मौजूदा हालातों में हमारे संविधान पर समय व परिस्थिति के अनुसार सही समीक्षा होना चाहिए और विश्व के अलोचक देशों को मुंह तोड़ जवाब दिया जाना चाहिए तथा अब इतनी देरी से ही सही हमारे संविधान को पूरी निष्ठा-ईमानदारी और सच्चाई के साथ लागू किया जाना चाहिए और यह अपेक्षा मोदी जी के प्रधानमंत्री रहते उनसे ही की जा सकती है? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7998

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -7997 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अश्विन ने पावर हिटिंग को लेकर चिन्ता जतायी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने आईपीएल में लगातार बनते हुए बड़े स्कोरों को लेकर कहा कि ये सब पावर हिटिंग के कारण हो रहा है। अश्विन ने पावर हिटिंग को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इससे स्टेडियमों का आकार अब छोटा पड़ने लगा है। उन्होंने कहा कि इससे खेल एकतरफा हो गया है। अश्विन ने आईपीएल के इस सत्र में बड़े स्कोर को लेकर कहा कि इससे खेल एकतरफा होता जा रहा है। आईपीएल के इस सीजन में कई बार टीमों ने 250 से अधिक रन बनाये हैं। इसके अलावा इस सत्र में 287 और 277 रन भी बने हैं। इस लीग में इंम्पैक्ट नियम के लागू होने से भी अब टीमें 200 से ज्यादा रन बना रही हैं पर इसका भी बचाव नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कहा, 'पहले के बनाए गए स्टेडियम आज के समय के अनुरुप नहीं रहे हैं। जो बल्ले तब . उपयोग में लाये जाते थे, उनका उपयोग अब कहीं नहीं होता है। प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण भी बाउंड्री पहले से ही 10 गज कम हो गई है। आज के दौर में खेल बल्लेबाजों की ओर झुका लगता है। ये किसी को परेशान कर के किसी को खुश करने की तरह ही है। ऐसे में गेंदबाजों को मानसिक तौर पर उत्साहित करना होगा। '

अश्विन ने हालांकि उम्मीद जताई कि इन हालातों में भी एक अच्छा गेंदबाज अपने कौशल के बल पर अपनी पहचान बनाएगा पर उसे लगातार नये प्रयोग करने होंगे। अश्विन ने कहा, ' जब खेल संतुलन बदलता है तब आपके पास अपने को अलग दिखाने के लिए भी एक अच्छा अवसर होता है।'

नाडा ने बजरंग को निलंबित किया, ओलंपिक में शायद ही खेल पायें

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने डोप टेस्ट ना कराए जाने को लेकर शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया को निलंबित कर दिया है। नाडा की इस कार्रवाई से बजरंग अब शायद ही पेरिस ओलंपिक में खेल पायें। नाडा के कड़े कदम से बजरंग के पेरिस ओलंपिक अभियान को भी झटका लगा है।

बजरंग को राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी की तरफ से निलंबित दिया गया है। नाडा के इस फैसले से बजरंग बेहद निराश हैं। वहीं एजेंसी ने कहा कि बजरंग को डोप सैंपल नहीं देने के लिए निलंबित किया गया है। इस साल मार्च में सोनीपत में हुए ट्रायल के बाद बजरंग ने डोप टेस्ट नहीं दिया था। अब अगर उनके उपर लगा यह निलंबन वापस नहीं हुआ तो वह पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले फाइनल ट्रायल में भी भाग नहीं ले पाएंगे। इससे भारत की पदक उम्मीदें भी कम हुई हैं। बजरंग ने पिछले ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

डु प्लेसिस पावरप्ले में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

चेन्नई (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डु प्लेसिस आईपीएल में अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। गुजरात टाइंटस के खिलाफ मैच में आरसीबी की ओर से डु प्लेसिस ने शुरूआती पावरप्ले में ही आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम का स्कोर 91 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने अपनी 64 रन की पारी में 23 गेंदों पर 10 चौके और 3 छक्के लगाए। डुप्लेसिस ने इस प्रकार आरसीबी की ओर से पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ दिया है। गेल ने साल 2012 में पावरप्ले में 50 रन बनाये थे।

गेल ने इसके बाद 2013 में भी पावर प्ले में 50 रन बनाकर अपना रिकार्ड बनाये रखा। 2015में फिर उन्होंने 50 रन बनाये इससे साफ है कि आरसीबी के लिए खेलते हुए गेल ने 3 बार पावरप्ले के अंदर ही अपना अर्धशतक लगाया है। आईपीएल के इस सीजन में यह चौथी बार है जब किसी टीम ने पावरप्ले के अंदर ही 90 से ज्यादा रन बनाये हैं। डु प्लेसिस के नाम अब 141 पारियों में 36 अर्धशतक हो गए हैं हालांकि वह अभी तक आईपीएल में कोई शतक नहीं लगा पाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 है।

मुम्बई के बाद गुजरात प्लेऑफ से बाहर हुई , रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों मिली हार से गुजरात टाइटंस की प्लेऑफ की उम्मीदें करीब-करीब समाप्त हो गयी हैं। वहीं आरसीबी को अभी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर नहीं माना जा सकता है।

गुजरात टीम ने अभी तक 11 मैच खेलने के बाद केवल 4 मैच जीते हैं, ऐसे में बचे हुए 3 मैच जीतने के बाद भी गुजरात की टी के 14 अंक ही होंगे जो प्लेऑफ के लिए पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। वहीं पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस भी 8 मैच हारने से प्लेऑफ से बाहर हो गयी है।

वहीं आरसीबी की टीम लगातार छह हार झेलने के बाद अब जीत की राह पर लौट रही है। टीम ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बने रखी हैं। 11 मैच के बाद आरसीबी के नाम 4 जीत है और ऐसे में वह बाकी बचे 3 मैच जीतने के बाद भी 14 अंकों तक ही पहुंच सकती है। इसलिए उसका प्लेऑफ में जाना आसान नहीं रहेगा।

अभी तक अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स 16 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम 14 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है जबकि तीसरा स्थान लखनऊ सुपर जायंट्स को मिला है। वहीं चौथे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम है। इन दोनों ही टीमों के 12-12 अंक हैं और बाकी बचे चार मैच जीतकर दोनों के पास 16 अंकों के पार जाने का अवसर है। 5वें नंबर पर सीएसके हैं जबकि छठा स्थान दिल्ली कैपिटल्स को हासिल है।

चहल, जडेजा, अश्विन, मिश्रा की गेंदों पर पड़े सबसे ज्यादा छक्के

- आईपीएल लीग के 17वें सीजन में बल्लेबाजों का दबदबा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में आईपीएल प्रीमियम लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग का 17वां सीजन अभी खेला जा रहा है। इस आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा ज्यादा है। पिच भी वैसी होती है जहां आसानी से छक्के चौके लग जाते हैं। गेंदबाज मैच के दौरान बैकफुट पर ही रहते हैं। बल्लेबाज जब चाहता है छक्के लगा देता है। इस आईपीएल में ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंदों पर सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं।

युजवेंद्र चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अब छक्का के मामले में भी वह जल्द ही टॉप पर पहुंच सकते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अपने आईपीएल करियर के आधे से ज्यादा मैच खेलने वाले चहल की 3401 गेंदों पर 213 छक्के लगे हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के रविंद्र जडेजा जिन्होंने आईपीएल लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 2008 में डेब्यू किया था। जडेजा लीग के सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। लेकिन इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के बाएं हाथ के गेंदबाज रविंद्र जडेजा के नाम ही है। उनकी 3751 गेंदों पर 201 छक्के लगे हैं।

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। टेस्ट में उनके नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा है। अभी तक इस आईपीएल लीग में उन्होंने 4404 गेंदें फेंकी हैं और इसपर 196 छक्के लगाए गए हैं। वहीं बात करें अमित मिश्रा की तो एक समय वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। वह तीन बार आईपीएल में हैट्रिक भी लगा चुके हैं। उनका नाम भी सबसे ज्यादा छक्के पड़वाने वाले गेंदबाजों में शामिल है। इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के लिए खेल रहे अमित मिश्रा की गेंदों पर 183 छक्के पड़े हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं टी20 विश्व कप में....कप्तानों को तैयार रहना होगाः मिशेल स्टार्क

मुंबई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले माह टी20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है। इस पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं। मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी20 मैच में शुक्रवार को 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं। टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है। इससे टीम के पास आठवें या नौवें क्रम तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी मौजूद रहते है।

आईपीएल : मुम्बई पर जीत दर्ज करने उतरेगी सनराइजर्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेंगी। मुंबई पहले प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह ये मैच जीत भी जाती है तो भी उसे कोई लाभ नहीं होगा। वह अंकतालिका में अभी सबसे नीचे है। वह अपने 11 में से 8 मुकाबले हारी है। इसलिए बचे हुए मुकाबले जीतकर भी वह बाहर ही रहेगी। दूसरी ओर हैदराबाद 10 में से 6 मुकाबले जीतने के साथ ही अंक तालिक में चौथे स्थान पर होने के कारण ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती है। इस मैदान पर जमकर रन बनते हैं। मैदान छोटा होने के कारण चौके-छक्के भी खूब लगते हैं। ऐसे में हैदराबाद के बल्लेबाजों को रोकना मुम्बई के लिए आसान नहीं रहेगा। मुम्बई की ओर से वैसे भी जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई अन्य गेंदबाज लय में नहीं है। इस मैदान पर स्पिनरों को इस पिच पर मदद जरूर मिलती है। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 116 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 53 पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम तो 63 दूसरे बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। जो भी टीम मुंबई में टॉस जीतेगी वह पहले गेंदबाजी करने को देख सकती है। पहली पारी का औसत स्कोर आईपीएल में वानखेड़े में 170 रन है। हैदराबाद के पास विस्फोटक बल्लेबाज हैं और टॉस जीतने पर वह एक बार फिर बड़ा स्कोर बनाकर भारी अंतर से जीत दर्ज करना चाहेगी। इस सत्र में मुम्बई के बल्लेबाजी और गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं। ऐसे में हैदराबाद ही जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

मुंबईइंडियंसःहार्दिकपंडया (कप्तान),रोहितशर्मा,सूर्यकुमार यादव ,डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई (विकेट कीपर), नेहल वढेरा और ल्यूक वुड।

सनराइजर्स हैदराबादः अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वॉशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, जथावेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर

शिवलिंग की ऊंचाई 8 फीट; 29 जून से शुरू होगी 52 दिन की अमरनाथ यात्रा

अनंतनाग (ईएमएस)। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। बर्फ का शिवलिंग करीब 8 फीट ऊंचा है। इस शिवलिंग के दर्शन-पूजन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु अमरनाथ आते हैं। इस बार यात्रा 29 जून से शुरू होगी जो करीब 52 दिन चलेगी। 29 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं। यात्रा के लिए 15 अप्रैल से ऑन लाइन और ऑफ लाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन के लिए श्राइन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन से रजिस्ट्रेशन करना चाहते हैं तो श्री अमरनाथजी यात्रा ऐप डाउनलोड करना होगा। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक, एसबीआई, यस बैंक और जम्मू-कश्मीर बैंक से ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण बोला 10 गुना ज्यादा कीटनाशक को मंजूरी वाली खबरें निराधार

मसालों में तय मानकों के कम कीटनाशक की अनुमति, भारतीय मसालों की जांच कर रहा एफएसएसएआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की मंजूरी देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसेडयू लेवल (एमआरएल) यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग-अलग फूड मटेरियल के लिए अलग-अलग तय किए जाते हैं।

कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट

हालांकि, एफएसएसएआई ने माना कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं। उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं।

सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रिजिस्टर्ड

भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रिजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है। जबकि, कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है, इनमें 75 को मसालों में इस्तेमाल किया जा सकता है।

मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/केजी

एफएसएसएआई ने बताया कि मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/केजी की मैक्सिमम लिमिट तय किया है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। इसी तरह एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/केजी की लिमिट तय कर रखा है, लेकिन एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/केजी तक की ही अनुमति देता है।

काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल-एम के यूज के लिए कोडेक्स ने 2 एमजी/केजी का लिमिट तय किया है, जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5 एमजी/केजी तक मिलाने की अनुमति देता है। कोडेक्स कंज्यूमर हेल्थ की रक्षा करने और फूड बिजनेस पर नजर रखने वाला एक ग्लोबल संस्था है। यह इंटरनेशनल सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के बीच खाद्य मानकों को तय और लागू करने की अनुमति देता है।

विदेशों में बैन और जांच का सामना कर रहे भारतीय मसाले

पिछले महीने सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और मालदीव ने भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन भी कंपनी के मसालों की जांच कर रहा है।

एफएसएसएआई भी कर रहा मसाला कंपनियों और फैक्ट्रीयों की जांच

हाल ही में एफएसएसएआई ने भी मसाला पाउडर बनाने वाली कंपनियों की मैन्युफैक्चारिंग यूनिट्स का इंस्पेक्शन, सैंपलिंग और टेस्टिंग करने का आदेश दिया है। इसके अलावा फूड रेगुलेटर ने कहा कि सभी कंपनियों के प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड की प्रेजेंस की भी जांच की जाएगी।

एमडीएच के तीन मसालों में मिला था ज्यादा एथिलीन ऑक्साइड हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई थी। वहीं एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया था।

ड्रेगन को चुनौतीः हिंद महासागर में तीसरे विदेशी बंदरगाह का विकास करेगा भारत

नई दिल्ली(ईएमएस)। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए अब भारत ने अब चीन के दरवाजे पर भी बंदरगाह विकास की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत के सबसे बड़े बंदरगाह ऑपरेटर अडानी पोर्ट्स ने अपनी बंदरगाह विकास योजना के लिए फिलीपींस के बाटन बंदरगाह को 25 साल के लिए लीज पर लेने की योजना पेश की है। भारत और भारत की कंपनियों की ओर से एक महीने से भी कम समय में हिंद महासागर में यह तीसरे बंदरगाह को विकसित करने की योजना पर आगे बढने की दिशा में कदम है। इसी हफ्ते श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने भी अपने उत्तरी प्रांत में कांकेसंथुराई बंदरगाह के नवीनीकरण का निर्णय लिया है, इस परियोजना की पूरी लागत भारत ने वहन करने पर सहमति जताई है।

प्रोजेक्ट की लागत करीब 5 करोड़

इस प्रोजेक्ट पर लगभग 5 अरब रुपए की लागत आंकी गई है। लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर विचार-विमर्श लंबित था। इसके पहले भारत ने मार्च में ही म्यांमार के सिटवे में बंदरगाह में ऑपरेशन का सौ फीसदी अधिकार हासिल किया था। फिलीपींस और अडानी पोर्ट की आरंभिक योजना बाटन में 25 मीटर गहरा बंदरगाह विकसित करने की है, जिसमें पैनामैक्स (पनामा नहर से गुजर सकने वाले) जहाज़ों को रखा जा सके। एक सप्ताह से कम समय में हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में भारत की ओर से किया गया दूसरा प्रयास है।

फिलीपींस को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मिलेगी मदद

फिलीपींस के राष्ट्रपति के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि, राष्ट्रपति मार्कोस ने फिलीपींस में भारत की अडानी पोर्ट की विस्तार योजनाओं का स्वागत किया। इसके जरिए फिलीपींस कृषि उत्पादों को संभालने वाले बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है ताकि फिलीपींस को अंततः विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा सके। गौरतलब है कि फिलीपींस और चीन में पिछले दिनों कई मौकों पर चीन सागर में टकराव के हालात बने हैं। इस बीच, भारत और फिलीपींस में रक्षा संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। हाल में ही भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की डिलीवरी की है। इसके अलावा भारत ने एएलएच मार्क तीन हेलीकॉप्टर और अन्य हथियारों की खरीद का भी ऑफर दिया हुआ है। अब इसी बीच भारत ने फिलीपींस के एक बंदरगाह को लीज पर लेने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इसके पूर्व मार्च में ही भारत ने म्यांमार के सिटवे में एक बंदरगाह संचालित करने का अधिकार हासिल कर लिया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने कालादान नदी पर स्थित पूरे बंदरगाह के संचालन को संभालने के लिए इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल (आईपीजीएल) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) और दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट (तत्कालीन कांडला पोर्ट ट्रस्ट) के बीच एक संयुक्त उपक्रम है। जहाजरानी मंत्रालय ने वर्तमान में आईपीजीएल को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर कंटेनर और बहुउद्देश्यीय टर्मिनलों के उपकरण और संचालन का काम सौंपा हुआ है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए अब भारत ने अब चीन के दरवाजे पर भी बंदरगाह विकास की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

चीन को घेरने की रणनीति में भारत के प्रयासों को अमरीका और जापान के हिंद महासागर में सक्रियता बढ़ाने संबंधी हालिया सुरक्षा समझौतों से भी बल मिला है। चीन के अरुणाचल पर दावों के बीच भारत के पारंपरिक रूप से मित्र रहे जापान ने स्पष्ट रूप से अरुणाचल को भारत का हिस्सा बताया था। क्वाड के सदस्य के रूप में दोनों देशों में सहयोग सुरक्षा बढ़ाने के लिए जापान और भारत इंडो-पैसिफिक में स्थिर और टिकाऊ अंडरसी केबल बिछाने पर भी मंथन कर रहे हैं, जिसमें आगे ऑस्ट्रेलिया को भी जोड़ा जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में नाइट आउट के लिए गयी महिला सांसद ने यौन उत्पीड़न को आरोप लगाया

कैनबरा (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया की महिला सांसद ने आरोप लगाया है कि नाइट आउट के दौरान उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है। क्वींसलैंड लेबर पार्टी की सांसद ब्रिटनी लाउगा ने कहा कि पहले कुछ लोगों ने उसे नशीला पदार्थ पिलाया फिर यौन उत्पीड़न किया। इस सांसद ने कहा कि क्वींसलैंड के येपून में उसके साथ से भयानक हादसा हुआ। जिसके बाद उन्होंने पुलिस में भी ये मामला दर्ज कराया।

इस महिला सांसद लाउगा ने कहा, अस्पताल में जांच के दौरान उनके शरीर में ऐसी दवाइयों का पता चला है जो उन्होंने नहीं खायीं थीं। साथ ही कहा कि जब उन्होंने अपने साथ हुए हादसे की बात बतायी तो शहर की कई महिलाएं ने भी खुलास किया कि उनके साथ भी ऐसा हुआ था।

उन्होंने कहा, इस प्रकार का हादसा किसी के साथ भी हो सकता था। हम में से कई लोगों के साथ होता है। यह सही नहीं है। हमें नशे या हमले के खतरे के बिना ही अपने शहर में घूमने फिरने में डर नहीं लगना चाहिये। साथ ही कहा, मेरे समर्थन में आगे आने वाले सभी लोगों की मैं आभारी हूं। मैं वास्तव में आपके संदेशों को महत्व देती हूं। यदि आपके पास कोई जानकारी है जो जांच में सहायता कर सकती है, तो आगे आकर पुलिस को बताएं। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, लाउगा के साथ घटी इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। इस मामले में क्वींसलैंड के प्रीमियर स्टीवन माइल्स ने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से सांसद को न्याय दिलाने का प्रयास करेगी।

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सप्ताह के आ?खिरी दिन भारी मुनाफावसूली के दबाव में आया घरेलू शेयर बाजार बीते सप्ताह मामूली बढ़त पर रहा और इस सप्ताह उसकी दिशा कंपनियों के चौथी तिमाही के प?रिणामों, वैश्विक रुझान और वृहद आर्थिक आंकड़े शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों से भी संकेत लेगा। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि घरेलू स्तर पर कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों से शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी। हीरो मोटोकॉर्प, लार्सन एंड टुब्रो, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल), भारतीय स्टेट बैंक, आयशर मोटर्स और टाटा मोटर्स जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों से भी शेयर बाजार की गतिविधियां प्रभावित होंगी। मार्च के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े शुक्रवार को आने हैं। सोमवार को बाजार अमेरिका के रोजगार के आंकड़ों तथा डीमार्ट और कोटक बैंक जैसी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने कहा ?कि आगे चलकर तिमाही नतीजों का सीजन निवेशकों द्वारा अपने पोर्टफोलियो को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार की नजर बैंक ऑफ इंग्लैंड की नीतिगत समीक्षा और यूरो क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर भी रहेगी। उन्होंने कहा ?कि हमें उम्मीद है कि ऊंचे मूल्यांकन और चुनाव से जुड़े घटनाक्रम की वजह से बाजार में कुछ गिरावट आ सकती है। निवेशकों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक बाजार विशेषरूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर भी रहेगी।

एफपीआई ने मई में अब तक शेयरों में 1,156 करोड़ का निवेश किया

- अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ के शेयर बेचे थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों में सिर्फ 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं मार्च में एफपीआई ने शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार मई में पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है और ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,727 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि भारत में आम चुनाव पूरे जोरों पर हैं। विदेशी निवेशकों ने चुनाव नतीजे आने तक 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाया है। उन्होंने कहा ?कि अमेरिका में नौकरियों के ताजा आंकड़े अर्थव्यवस्था में सुस्ती का संकेत देते हैं। वेतन बढ़ोतरी चार प्रतिशत से कम है, जो श्रम बाजार की कमजोरी का संकेत हैं। शेयर बाजार की दृष्टि से आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने मई के पहले दो कारोबारी सत्रों में ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,727 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन सूचकांक में शामिल करने की घोषणा से यह निवेश आया था। कुल मिलाकर 2024 में अब तक शेयरों में एफपीआई ने 3,378 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 43,182 करोड़ रुपये रहा है।

देश में बीते वित्त वर्ष में 1.85 लाख नई कंपनियों का पंजीकरण हुआ

- इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियों की स्थापना की गईं

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में देश में 1.85 लाख से अधिक कंपनियों का पंजीकरण ?किया गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों से कहीं अधिक है। इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियों की स्थापना की गईं। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में 18,132.16 करोड़ रुपये की सामूहिक चुकता पूंजी के साथ 1,59,524 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। मार्च, 2024 के आ?खिरी में देश में कुल 26,63,016 कंपनियां थीं और इनमें से 16,91,495 या 64 प्रतिशत कंपनियां सक्रिय थीं। आंकड़ों से पता चलता है कि इनमें से कम से कम 9,31,644 पंजीकृत कंपनियां बंद हो गईं, 2,470 निष्क्रिय थीं और 10,385 कंपनियां परिसमापन के तहत थीं। कुल 27,022 कंपनियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने की प्रक्रिया जारी थी। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के मार्च के बुलेटिन के अनुसार, 2023-24 में कुल 30,927.40 करोड़ रुपये की चुकता पूंजी वाली 1,85,312 कंपनियां पंजीकृत की गईं। इनमें से 71 प्रतिशत कंपनियां सेवा क्षेत्र की थीं। इसके बाद 23 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र की और छह प्रतिशत कृषि क्षेत्र से संबंधित थीं। राज्यों के लिहाज से देखा जाए, तो 2023-24 में 17.6 प्रतिशत नई कंपनियां महाराष्ट्र में स्थापित की गईं। आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2024 तक देश में कुल 5,164 विदेशी कंपनियां पंजीकृत थीं और उनमें से 3,288 या 64 प्रतिशत सक्रिय थीं।

पैंट में छिपाकर ले जा रहा था सांप, एयरपोर्ट पर पकड़ाया

मियामी,(ईएमएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी में एयरपोर्ट पर सुरक्षा कर्मियों ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। उसने अपनी पैंट के अंदर एक बैग छिपा रखा था, जिसमें कई सांप थे। सांपों को उसने गॉगल बैग में ऐसे रखा था कि किसी को पता न चल सके। एयरपोर्ट पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसकी पैंट में सांप निकले। सुरक्षाकर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिकी परिवहन सुरक्षा प्रशासन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मियामी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों ने चेकपॉइंट पर एक यात्री की चेकिंग के दौरान उसकी पैंट में सांपों से भरे बैग निकाला। अधिकारियों ने सांपों को फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने जानकारी देने के साथ ही एक्स पर तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिसमें उस व्यक्ति द्वारा छिपाए गए बैग से दो छोटे सफेद सांप बरामद किए गए।

उन्होंने बताया कि सांपों को फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण आयोग को सौंप दिया गया। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी ने एयरपोर्ट से सांप ले जाने की कोशिश की हो। इससे पहले दिसंबर 2022 में एक महिला ने टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बार्थोलोम्यू नामक बोआ कंस्ट्रिक्टर स4ांप ले जाने की कोशिश की थी।

एयर इंडिया में अब ले जा सकेंगे 15 किलो तक का सामान

मुंबई (ईएमएस)। ?विमानन कंपनी एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों पर न्यूनतम किराये वाली श्रेणी में एक यात्री के लिए केबिन में रखने के लिए सामान का न्यूनतम वजन 20 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने पिछले अगस्त में पेश मूल्य निर्धारण मॉडल में बदलाव किया है। एयरलाइन ने कहा कि सभी के लिए एक आकार का नजरिया अब आदर्श नहीं है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि किराया मॉडल में तीन श्रेणियां हैं- कम्फर्ट, कम्फर्ट प्लस और फ्लैक्स। ये अलग-अलग मूल्य पर अलग-अलग सुविधाएं प्रदान करते हैं। कम्फर्ट और कम्फर्ट प्लस श्रेणियों के तहत दो मई से निशुल्क केबिन बैगेज सुविधा को 20 किलोग्राम और 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है।

रिपोर्ट में खुलासाः गाजा के बैंकों की तिजोरियों से 580 करोड़ की लूट

- हमास पर एक नहीं बैंक की कई शाखाओं को लूटने का आरोप

गाजा,(ईएमएस) । इजरायल-हमास युद्ध के बीच एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हमास ने अपने ही देश फिलिस्तीन बैंकों से करोड़ों रुपए की लूट की हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्रांसीसी अखबार का दावा है जब गाजा में रह रहे कम से कम 25 लाख लोग इजरायली हमलों के बाद भुखमरी से जूझ रहे थे तब हमास ने एक महीने के अंदर कम से कम 580 करोड़ रुपए लूट लिए।

एक रिपोर्ट में कहा कि गाजा के सशस्त्र ग्रुप ने बैंक ऑफ फिलिस्तीन की कई ब्रांच से लूटपाट की है। बैंक के दस्तावेजों का हवाला देते हुए अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एक नहीं बैंक की कई शाखाओं को हमास ने साफ कर दिया है। एक अनुमान के मुताबिक हमास ने 70 मिलियन डॉलर (कम से कम 580 करोड़ रुपए) लूट लिए है। बैंक ने लूटपाट की इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताया है।

रिपोर्ट ने बताया कि अखबार का दावा है 16 अप्रैल को कर्मचारियों ने रिपोर्ट किया कि बैंक ऑफ फिलिस्तीन की गाजा शाखा में लॉकर से 3 मिलियन डॉलर लूट लिए गए। डकैतों ने तिजोरी वाले कमरे की छत में एक सुराख कर पूरी तिजोरी खाली कर दी। इसी तरह अन्य शहरों से डकैती की गई है। गौरतलब है कि 1960 में स्थापित बैंक ऑफ फिलिस्तीन गाजा का प्रमुख वित्तीय संस्थान है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इजराइल-हमास के बीच युद्ध को छह महीने से ज्यादा समय हो जाने और फलस्तीनी क्षेत्र में खाद्य आपूर्ति पर इजराइल द्वारा कड़े प्रतिबंध लगाये जाने से उत्तरी गाजा में अकाल अब अपने चरम पर है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यह भयावह है। उत्तर में अकाल चरम पर है और यह स्थिति दक्षिण की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि गाजा में तेजी से बढ़ते इस मानवीय संकट का सामना करने के लिए संघर्ष विराम और जमीन व समुद्री मार्गों के जरिये मदद पहुंचाने में भारी वृद्धि की जरूरत है। बता दें कि गाजा में करीब 23 लाख लोग रहते हैं।

पाकिस्तान फिर 1971 वाले रास्ते पर चल रहा है : इमरान खान

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने भारत और अफगानिस्तान से लगी सीमाओं पर पाकिस्तान में हालात खराब होने की चेतावनी दी है। मिली खबरों के मुताबिक इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान उसी रास्ते पर चल रहा है, जिस पर वह 1971 में चला था। जब उसने अपना पूर्वी इलाका खो दिया था जो अब बांग्लादेश है।

रावलपिंडी की जेल से इमरान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान आतंकवाद और बलूचिस्तान में अलगाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही पाकिस्तान के अंदर हत्याएं करने की बात कबूल कर चुका है और पाकिस्तान की सीमाओं पर अफगानिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने पाकिस्तान के बिगड़ते हालात पर अफसोस जताया है। जहां उनके जैसे राजनीतिक नेता जेल में बंद हैं और कहा कि शक्तिशाली सैन्य नेतृत्व के लिए अगर अब कुछ बचा है तो वह उनकी 'हत्या' करना है।

उन्होंने कहा कि शक्तिशाली सेना ने पाकिस्तान के अस्तित्व के 75 साला से अधिक समय तक राज किया है। सेना ने सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में काफी शक्ति का इस्तेमाल किया है, जबकि सेना ने देश की राजनीति में हस्तक्षेप से इनकार किया है। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान ने अपने पिछले दावे को दोहराते हुए कहा कि अगर उन्हें या उनकी पत्नी को कुछ भी होता है, तो सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे। इमरान खान ने 8 फरवरी के आम चुनाव के लोकतांत्रिक ढंग से बदला लेने की सराहना की। जिसके दौरान लोग बाहर आए और उनकी पार्टी द्वारा सर्मथित उम्मीदवारों के लिए भारी मतदान किया था। इमरान ने कहा कि दुर्भाग्य से लोगों के जनादेश को कबूल करने के बजाय सेना गुस्से में आ गई और हारे हुए लोगों को सत्ता में लाने के लिए चुनावी नतीजों में हेरफेर किया गया जो लोकतंत्र के खिलाफ है।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल पीडितों को आर्थिक मदद देगी सिद्धारमैया सरकार

बेंगलुरु(ईएमएस)। कर्नाटक कांग्रेस ने रविवार को ऐलान किया कि वह हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स स्कैंडल की पीडित महिलाओं को आर्थिक मदद देगी। कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार की मौजूदगी में यह घोषणा की।

सुरजेवाला ने बेलगावी में मीडिया से चर्चा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह से 10 सवाल भी पूछे। जिसमें उन्होंने ये आरोप लगाया कि पीएम प्रज्वल का सच जानते थे, फिर भी उन्होंने सच छिपाया। इधर, कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना एक दिन की स्ट्डुञ्ज की हिरासत में हैं। उन्हें किडनैपिंग केस में अरेस्ट किया गया है। रेवन्ना की अग्रित जमानत की अपील खारिज होने के बाद यह कार्रवाई हुई। प्रज्वल रेवन्ना को शनिवार को दूसरा लुकआउट नोटिस भेजा गया। साथ ही ब्लूकॉर्नर नोटिस भेजने की तैयारी हो गई है। चर्चा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह से 10 सवाल भी पूछे। 26 अप्रैल को सेकेंड फेज की वोटिंग के बाद प्रज्वल जर्मनी चले गए।

प्याज निर्यात से रोक हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली गईः सूत्र

- प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली है। सरकारी सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग ने 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्तों के तहत प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली है। सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। इस फैसले से बड़ी संख्या में किसानों को मदद मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जबकि महाराष्ट्र सहित कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है। सरकार ने 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) के साथ ही 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है। इस शुल्क को देखते हुए 770 डॉलर प्रति टन या 64 रुपये प्रति किलोग्राम से कम भाव पर प्याज निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का निर्णय उपभोक्ता मामलों के विभाग की सिफारिश पर लिया गया है। विभाग देश में प्याज की उपलब्धता और कीमत की स्थिति पर नजर रखता है। पिछले साल आठ दिसंबर को केंद्र ने उत्पादन में संभावित गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले 4-5 साल के दौरान देश से सालाना 17 लाख से 25 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने कहा ?कि कीमतें स्थिर रहेंगी। अगर कोई बढ़ोतरी होती है, तो यह बहुत मामूली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार में शनिवार और रविवार को कामकाज नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं। भारत में हर दिन की तरह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जारी कर दी गई है। हर रोज सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां ईंधन के नए भाव जारी करती हैं। देश के कुछ राज्यों व शहरों में र?विवार को पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़े हैं जबकि कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी हैं।

न्यूयॉर्क में अलग-अलग देशों की 500 महिलाओं ने किया साड़ियों का प्रदर्शन

- अपने अपने देशों का राष्ट्रीय ध्वज लहराया, एक साथ नृत्य भी किया

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। न्यूयॉर्क का जाना माना 'टाइम्स स्क्वायर' पर भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ ही अन्य देशों की सैकड़ों महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम में साड़ियों की सुंदरता, विरासत और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ ही नौ देशों की 500 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया जहां नौ गज का यह परिधान लोकप्रिय है तथा उसे पसंद किया जाता है।

इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, नेपाल, ब्रिटेन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, त्रिनिदाद और गुयाना शामिल हैं। खादी सहित विभिन्न प्रकार के कपड़ों पर उत्कृष्ट कढ़ाई एवं शैलियों वाली रंग-बिरंगी साड़ियां पहनी महिलाओं ने अपने संग्रह का प्रदर्शन किया और अपने अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज लहराए। एक साथ नृत्य भी किया और अपनी साड़ियों, संस्कृति तथा विरासत के बारे में कहानियां साझा कीं।

यह कार्यक्रम 'ब्रिटिश वुमेन इन साड़ी' ने उमा संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया जिसमें संगीत, नृत्य और साड़ी 'वॉकथन' के जरिए साड़ी की सुंदरता का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनियाभर में भारत में हथकरघा कलाकारों की मदद करते हुए साड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उमा ग्लोबल की अध्यक्ष डॉ. रीता ककाती-शाह और 'ब्रिटेन वुमेन इन साड़ी' की चेयरपर्सन डॉ. दीप्ति जैन ने दुनियाभर में एकता और महिला सशक्तीकरण के प्रतीक के तौर पर साड़ी की महत्ता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा।

नर्क का दरवाजा बना प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन-यहां बिखरे हैं कंकाल, जहाजों के मलबे

नामिब (ईएमएस)। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में स्थित नामीबिया देश में एक रेगिस्तान है नामिब। पुराने वक्त में पुर्तगाली नाविकों ने इस रेगिस्तान के पास स्थित समुद्री तट को 'नर्क का दरवाजा' बताया था। इस वजह से यहां कोई नहीं जाना चाहता। पर आपको जानकर हैरानी होगी, कि ये जगह एक प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुकी है। जानकारी के अनुसार नामीबिया का स्केलिटन कोस्ट बेहद खौफनाक अनुभव देने वाली जगह है।

'नर्क का दरवाजा', 'धरती का अंत', जैसे उपनामों से इस जगह को जाना जाता है। लोगों का मानना है कि इस इलाके को भगवान ने बेहद गुस्से में बनाया होगा। ये वो जगह है जहां पर समुद्र और रेगिस्तान एक दूसरे से मिलते हैं। यहां लंबी दूरी तक रेत के टीले फैले हैं, जंगली जानवर रहते हैं और उसके साथ-साथ चारों ओर कंकाल, जहाजों के मलबे आदि भी फैले रहते हैंजब भी समुद्र में लो टाइड आती है, और पानी पीछे जाता है, तो कई कंकाल तट पर पड़े दिख जाते हैं। इस इलाके के पास बहुत लोग नहीं रहते हैं। यहां काफी हाथी पाए जाते हैं जो रेत में गड्ढा खोदकर अंदर से पानी निकालते हैं। इसके अलावा जिराफ, शेर, हायना, और बबून जैसे जीव भी यहां पाए जाते हैं। सीएनएन के अनुसार इस इलाके में हिंबा जनजाति के लोग भी रहते हैं। इस जनजाति के लोग नहाते ही नहीं हैंइस इलाके में चूंकि आबादी बेहद कम है, इस वजह से यहां पर प्रदूषण भी नहीं है।

इस वजह से आसमान बेहद साफ नजर आते हैं। यहां पर लोग डयून ट्रेकिंग करने आते हैं। गाड़ियों पर वो इस रेगिस्तान के टीलों की यात्रा करते हैं। जानकारी के अनुसार यहां पर करीब 1000 जहाज ध्वस्त हो चुके हैं, जिनका मलबा तट पर पड़ा मिल जाता है। बीच एटलस वेबसाइट ने इस तट को दुनिया के सबसे खूबसूरत गोल्डेन बीच में से एक का दर्जा दिया है। आप अब तक तो ये समझ गए होंगे कि इसका नाम स्केलिटन कोस्ट क्यों है। वो इसलिए क्योंकि यहां पर व्हेल मछली के कंकाल काफी संख्या में मिले हैं। बता दें कि दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो इतनी अजीबोगरीब हैं, कि यहां जाने वाले लोग या तो उन जगहों पर लौटकर दोबारा नहीं जाना चाहते, या फिर बार-बार जाना चाहते हैं।

अंतिम दिन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया रोड शो

गुजरात में लोकसभा चुनावों का प्रचार हुआ सामाप्तनडियाद में सीएम ने बीजेपी के लिए वोट की अपील खेड़ा सीट क्षत्रिय वोटरों की संख्या सबसे ज्यादा है

अहमदाबाद, ५ मई।
लोकसभा चुनावों के तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नडियाद में रोड शो किया। नडियाद विधानसभा खेड़ा लोकसभा में आती है। गुजरात की २५ लोकसभा और पांच विधानसभा सीटों के लिए सात मई को वोट डाले जाएंगे। खेड़ा लोकसभा गुजरात की ऐसी सीट है जिसे बीजेपी अभी तक सिर्फ तीन बार जीता है। यह सीट लंबे वक्ततक कांग्रेस का गढ़ रही है। बीजेपी ने २०१४ में इस सीट को दूसरी बार जीता था। २०२४ के चुनावों में बीजेपी ने इस सीट पर मौजूदा सांसद और केंद्र में मंत्री देवु सिंह चौहाण को रिपोर्ट किया है, लेकिन राज्य में चल रहे क्षत्रिय आंदोलन के चलते यह सीट चर्चा में है। इस सीट पर क्षत्रिय समाज के वोटों की संख्या ९ लाख के पास है। ऐसे में प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अंतिम दिन नडियाद में रोड शो किया।

कांग्रेस पार्टी ने इस सीट पर कालु सिंह डाभी को उतारा है। कांग्रेस इस सीट पर अभी तक सिर्फ चार बार हारी है। ऐसे में कांग्रेस को उम्मीद है कि अगर क्षत्रियों ने साथ दिया तो उलटफेर हो सकता है। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिनशा पटेल लगातार पांच बार यहां से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। वह १९९६ से २०१४ तक तक लगातार सांसद रहे थे। २०१४ के चुनावों में बीजेपी ने दूसरी बार बार जीत हासिल की थी। खेड़ा लोकसभा सीट पर वैसे तो सभी विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा है, फिर भी बीजेपी कोई कोताही बरतने के मूड में नहीं है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बीजेपी नेताओं के साथ रोड शो करके फिर एक बार मोदी सरकार के लिए समर्थन मांगा।

२०१९ के लोकसभा चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार रहे देवुसिंह चौहाण ने बड़ी जीत हासिल की थी। उन्होंने ७.१४ लाख वोट हासिल किए थे। चौहाण ने कांग्रेस के कैंडिडेट बिमल शाह को ३.६७ लाख वोटों के अंतर से हराया था। चौहाण २०१४ में २,३२,९०१ वोटों से जीते थे। २००९ के चुनाव में कांग्रेस के दिनशा पटेल पांचवी बार ७१९ वोटों के अंतर से जीत पाए थे। खेड़ा सीट पर कुल वोटरों की संख्या २०.०१ लाख है। इनमें क्षत्रिय वोटों की संख्या सर्वाधिक है। क्षत्रिय समाज के कुल वोट ९ लाख के पास हैं तो वहीं पाटीदार के वोटों की संख्या ४.४ लाख है। लोकसभा क्षेत्र में ३.४ लाख मुस्लिम और २ लाख ईसाई के साथ अन्य १.२ लाख वोट हैं। खेड़ा लोकसभा में दो विधानसभा क्षेत्र अहमदाबाद जिले के लगते हैं। इनमें दस्करोई और धोलका शामिल हैं।

नवनीत राणा ने भरूच लोकसभा के विकास की तारीफ की

भरूच, ५ मई।
गुजरात में लोकसभा चुनावों के प्रचार के अंतिम दिन अमरावती से सांसद नवनीत राणा ने रोड शो किया। इस मौके पर राणा ने कहा कि अगर कहीं विकास की गंगा बह रही है तो वह गुजरात है। राणा ने कहा कि गुजरात का नसीब है कि पहले १३ साल तक नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री और फिर अब प्रधानमंत्री हैं। राणा ने उम्मीद जताई की भरूच लोकसभा सीट से बीजेपी की बड़ी जीत होगी। नवनीत राणा ने खुली जीप में रोड शो किया। इससे पहले गुजरात में उन्होंने कच्छ लोकसभा सीट पर रोड शो किया था। कच्छ से बीजेपी ने मौजूदा सांसद विनोद चावड़ा को रिपीट किया है।

नवनीत राणा पिछले महीने अपनी पति रवि राणा की पार्टी को छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। वे इस महाराष्ट्र की अमरावती से सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ी है। अमरावती में दूसरे चरण में वोट डाले गए थे। नवनीत राणा के समर्थन में सभा के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह पहुंचे थे। गुजरात पहुंचने पर नवनीत राणा काफी खुश नजर आईं। कच्छ और भरूच में नवनीत राणा का जोरदार स्वागत किया गया। भरूच को भ्रमण करने के बाद राणा ने भरूच के विकास की तारीफ की और कहा कि पार्टी के उम्मीदवारी मनसुख भाई वसावा सातवीं बार इसी सीट से जीत हासिल करेंगे। भरूच गुजरात की एकमात्र लोकसभा सीट हैं जहां पर सर्वाधिक मुस्लिम आबादी है।

क्षत्रिय आंदोलन के बीच स्वामीनारायण ने दिया समर्थन

अहमदाबाद, ५ मई।
गुजरात में क्षत्रिय समाज के आंदोलन और बॉयकॉट के ऐलानों के बीच बड़ी राहत मिली है। राज्य में पाटीदार समुदाय की तरह प्रभावशाली स्वामी नारायण संप्रदाय ने बीजेपी को समर्थन दिया है। अहमदाबाद में स्थिति संप्रदाय के पहले स्वामीनारायण मंदिर कालूपुर की तरफ से एक बयान जारी करके सामाजिक-राजनीतिक मतभेदों या मनभेदों को दूर रखकर पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन देने का ऐलान किया गया है। इसमें कहा गया है कि सात मई को बीजेपी के पक्ष में भारी संख्या में मतदान करें। स्वामीनारायण संप्रदाय का गुजरात में व्यापक प्रभाव है। संप्रदाय के पहले मंदिर की तरफ से ऐसे वक्त पर यह समर्थन दिया गया है जब राज्य में क्षत्रियों की नाराजगी ने पार्टी की चिंता बढ़ाई हुई है।

गुजरात के शक्तिशाली स्वामीनारायण संप्रदाय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुराना जुड़ाव रहा है। संप्रदाय के पाचंवे उत्तराधिकारी रहे प्रमुख स्वामी महाराज (मूल नाम: शांतिलाल पटेल) से पीएम मोदी का पुराना नाता रहा है। पीएम मोदी कई मौकों पर प्रमुख स्वामी महाराज के साथ अपने रिश्तों का उल्लेख चुके हैं। बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) की तरफ से आबूधाबी में बनाए गए पहले हिंदू मंदिर का पीएम नरेंद्र मोदी ने ही उद्घाटन किया था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी आबूधाबी गए थे। पीएम मोदी प्रमुख स्वामी महाराज को अपना गुरु मानते आए हैं। १९९२ में जब पीएम मोदी सक्रिय राजनीति में नहीं थे। उससे पहले से वह प्रमुख स्वामी के संपर्क में थे। श्री स्वामीनारायण मंदिर, कालूपुर श्री नरनारायण देव देशाय गढ़ी की तरफ पार्टी को समर्थन दिए जाने पर बीजेपी हमारे नरेंद्रभाई और अमितभाई का परम पावन प्रमुख स्वामी महाराजजी के साथ एक विशेष बंधन है। बीजेपी गुजरात ने स्वामी नारायण संप्रदाय की तरफ से समर्थन मिलने के बाद फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि मां जन्म देती है, गुरु जीवन देता है। इसके साथ ही सवा चार मिनट का एक वीडियो साझा किया है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी और प्रमुख स्वामी महाराज के नजदीकी को दर्शाया गया है।

गुजरात की २५ लोकसभा सीटों के लिए ७ मई को वोट डाले जाएंगे। बीजेपी सूरत की सीट को पहले की निर्विरोध जीत चुकी है। २०२४ लोकसभा चुनावों में क्षत्रिय आंदोलन के चलते राज्य की १० सीटों पर बीजेपी को समाज का विरोध झेलना पड़ रहा है। इनमें आणंद, खेड़ा और जामनगर के साथ सुरेंद्र नगर की सीटों पर बीजेपी को ज्यादा विरोध झेलना पड़ा है।

7 मई को मतदान के दिन गुजरात में होगी भीषण गर्मी, दोपहर से पहले कर लें मतदान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अगले पांच दिन हिटवेव की संभावना है। गुजरात में 7 मई को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और उस दिन भीषण गर्मी मुश्किलें बढ़ाएगी। भीषण गर्मी के चलते मौसम विभाग ने हिटवेट जारी किया है। खासकर अहमदाबाद में मतदान के दिन तापमान हाई रहेगा, इसलिए बेहतर होगा लोग दोपहर होने से पहले अपने मताधिकार का उपयोग कर लें। मौसम विभाग के मुताबिक के अन्य जिलों के मुकाबले अहमदाबाद में गर्मी का प्रमाण ज्यादा रहेगा। 7 मई को अहमदाबाद में तापमान 42 डिग्री के आसपास रहेगा। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में तापमान 42 डिग्री दर्ज हो सकता है। मौसम विभाग की मानें तो कल से अगले पांच दिनों तकराज्य में वातावरण सूखा रहेगा। उत्तर गुजरात के तापमान में 2 डिग्री की वृद्धि होगी। किल से दीव में 5 दिनों तक हिटवेव की संभावना है। 6और7 मई को पोरबंदर और भावनगर में हिटवेव रहेगा। 7मईको अहमदाबाद और गांधीनगर में अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहेगा। 7 मई को दीव तटीय क्षेत्र के साथ ही पोरबंदर और भावनगर में हिटवेव की मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने खासकर 7 मई को भीषण गर्मी की भविष्यवाणी कर दी है।

५० दिनों के प्रचार के बाद गुजरात में लोकसभा चुनाव का प्रचार शांत हो गया

अहमदाबाद, ५ मई।
गुजरात की २५ लोकसभा सीटों और ५ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए ७ मई को मतदान होने जा रहा है। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए प्रचार का आज आखिरी दिन है। फिर प्रचार के आखिरी दिन बीजेपी नेताओं ने जनता तक पहुंचने की पूरी कोशिश की। शाम पांच बजते ही प्रचार की गूंज शांत हो गई है, इसके साथ ही अब नेता घर-घर जाकर प्रचार कर सकेंगे। हालांकि, सार्वजनिक बैठकें, रैलियां या चौपाल जैसे कार्यक्रम नहीं किए जा सकेंगे। शाम छह बजे के बाद शहर में लगे चुनाव प्रचार के होर्डिंग्स हटा दिये जायेंगे। इसके साथ ही रैली और सार्वजनिक सभा पर भी रोक रहेगी।

ठीक ५० दिनों के प्रचार के बाद गुजरात में लोकसभा चुनाव का प्रचार शांत हो गया है। गुजरात की २६ लोकसभा सीटों में से २५ पर मंगलवार को सुबह ७ बजे से शाम ६ बजे तक वोटिंग होगी। ऐसे में चुनाव आयोग की आचार संहिता लागू होने से पहले मतदान के लिए अब सिर्फ एक दिन ही बचा है। अब कोई भी नेता सीधे तौर पर सार्वजनिक बैठक या रैली कर चुनाव प्रचार नहीं कर सकेगा। अब घर-घर जाकर चुनाव प्रचार शुरू होगा। मंगलवार को २५ लोकसभा सीटों के अलावा ५ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होंगे। तो २०२४ के महासंग्राम के लिए मतदान की घड़ियां नजदीक आ गई हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इस बार गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए गठबंधन बनाया है। ऐसे में इस बार मुकाबला रोमांचक हो गया है। सूरत की एक सीट पर बीजेपी पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है। और अब शेष २५ सीटों पर मंगलवार ७ मई को मतदान होगा। राज्य में इस बार लोकसभा आम चुनाव-२०२४ और विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होना है। जिसमें १३ लाख से ज्यादा पहली बार वोट करने वाले मतदाता वोट डालेंगे। अकेले अहमदाबाद में ६० लाख से ज्यादा मतदाता हैं। अहमदाबाद में कुल ६०,३९,१४३ मतदाता हैं। जिसमें महिला मतदाता २९,०५,६२२ हैं। कलेक्टर कार्यालय में चुनाव संबंधी नियंत्रण कक्ष भी तैयार किया गया है।

राज्य की २६ लोकसभा सीटों पर आम चुनाव और ०५ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए ०७/०५/२०२४ को मतदान होगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान के दिन मतदाता की पहचान के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र-ईपीआईसी प्रस्तुत करना होगा। मतदाता फोटो पहचान पत्र-ईपीआईसी के स्थान पर १२ अन्य दस्तावेजों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मंजूरी दे दी गई है, जिनका उपयोग दस्तावेज प्रस्तुत करके मतदान करने के लिए किया जा सकता है।

चुनाव तंत्र ने आलियाबेट के मतदाताओं के लिए शिपिंग कंटेनर में मतदान केंद्र बनाया

भरूच (ईएमएस) लोकतंत्र के महापर्व चुनाव में एक-एक वोट और एक-एक मतदाता महत्व रखता है। हर एक वोट देश के भविष्य को आकार देने और लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भरूच जिले के वागरा तहसील में दूरसुदूर और चौतरफा पानी से घिरे आलिया बेट के 136 पुरुष और 118 महिला मतदाताओं समेत कुल 254 मतदाता आगामी लोकसभा चुनाव सरलता से मतदान कर सके इस लिए जिला निर्वाचन तंत्र द्वारा विशेष प्रबंध किया गया है। जिसमे एक अस्थायी शिपिंग कंटेनर में मतदान केंद्र बनाया गया है। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर अरब सागर और नर्मदा मैया के संगम पर स्थित आलिया बेट के मतदाताओं के यह सुविधा उपलब्ध कराइ गई है, जिससे मतदाता अपने निवास स्थान के नजदीक ही पवित्र मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। यही कारण है कि भारत के चुनाव आयोग के दृष्टिकोण हर वोट मायने रखता है और लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व को ऐसे मतदाता उन्मुख उपायों द्वारा सार्थक किया जा रहा है। देश में पहला चुनाव 1951-52 में हुआ और 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव तक 70 साल के दौरान हुए स्थानीय स्वराज्य, लोकसभा-विधानसभा चुनाव में बेट के मतदाता कलादरा गांव में नौका पर सवार हो कर वोट देने जाते थे,जो बेट से जमीन मार्ग से 82 किमी दूर और जल मार्ग से 15 किलोमीटर दूर है। अक्सर नदी का जल स्तर कम हो जाता था, तो सभी मतदाताओं को जिला निर्वाचन तंत्र द्वारा एसटी बसों में मतदान हेतु ले जाया जाता था। वागरा तालुका मेंआलिया बेट गुजरात के भरूच जिले से होकर गुजरने वाली और अरब सागर में समा जाती नर्मदा नदी के डेल्टा क्षेत्र में 17.70 किमी लंबा और 4.82 किमी चौड़ा है। 22,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाला आलिया बेट जमीन से हंसोट से जुड़ा हुआ है, लेकिन चूंकि यह कलादरा जूथ ग्राम पंचायत से जुड़ा हुआ है,यह151-वागरा विधानसभा क्षेत्र के 68-कलादरा-02 के अंतर्गत आता है। तालुका पंचायत चुनाव 2021 में पहली बार बेट के 230 में से 204 मतदाताओं ने मतदान किया था। पिछले विधानसभा चुनाव-2022 में, जिला कलेक्टर श्री तुषार सुमेरा के मार्गदर्शन में, भरूच जिला निर्वाचन तंत्र ने पहली बार आलिया बेट में एक विशेष रूप से निर्मित शिपिंग कंटेनर में मतदान केंद्र स्थापित किया था,

हिन्दुवादी नेताओं की हत्या का साजिशकर्ता मौलवी सोहेल 11 दिन की पुलिस रिमांड पर

सूरत (ईएमएस) सूरत की कोर्ट ने हिन्दुवादी नेताओं की हत्या की साजिश रचने वाले मौलवी सोहेल अबुबकर तिमोल की 11 दिन की पुलिस कस्टडी मंजूर की है। सूरत पुलिस ने 16 जितने अलग अलग मुद्दों पर मौलवी की 14 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने मौलवी को 11 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। बता दें कि सूरत क्राइम ब्रांच ने सूरत के हिन्दू नेता उपदेश राणा को धमकी देने के आरोप में मौलवी सोहेल तिमोल को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद आज उसे कोर्ट में पेश किया था। गिरफ्तार मौलवी की जांच में चौंकाने वाले खुलासा हो सकते हैं। क्योंकि शुरुआती जांच में ही मौलवी के पाकिस्तान कनेक्शन सामने आ गया है। मौलवी की पाकिस्तानी हैंडलर से चैट भी सामने आई है। इस संदर्भ में सूरत पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि आरोपी मौलवी सोहेल पाकिस्तान और नेपाल स्थित अपने आकाओं के साथ मिलकर हिन्दुवादी नेताओं की हत्या की साजिश रच रहा था। मौलवी को हिन्दू सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपदेश राणा की हत्या के लिए पाकिस्तान और नेपाल के लोगों के साथ मिलकर एक करोड़ रुपए की सुपारी देने और पाकिस्तान से हथियार खरीदने की साजिश रचते पाया गया है। मौलवी की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल से कई आपत्तिजनक सामग्री मिली है। जिसमें उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ की पेशकश भी शामिल थी। इसके लिए वह पाकिस्तान और नेपाल के व्यक्तियों से लगातार संपर्क में था। सूरत पुलिस आयुक्त ने बताया कि मौलवी को इस साल मार्च में राणा को धमकी देने में संलिप्त पाया गया था। आरोपी ने अपने ग्रुप कॉल में पाकिस्तान और नेपाल के नंबरों को जोड़कर राणा को धमकी देने के लिए लाओस के एक डिजिटल नंबर का इस्तेमाल किया था। उसके फोन नंबर पर मिली तस्वीरें और अन्य जानकारियों से पता चलता है कि आरोपी, सुदर्शन टीवी के प्रधान संपादक सुरेश चव्हाणके, भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा और हैदराबाद के विधायक टी राजासिंह को निशाना बनाने और धमकी के बारे में सुरक्षित एप पर अपने सहयोगी से चर्चा कर रहा था। घटना को अंजाम देने के लिए धन एकत्र करने और हथियार खरीदने की साजिश रच रहा था।

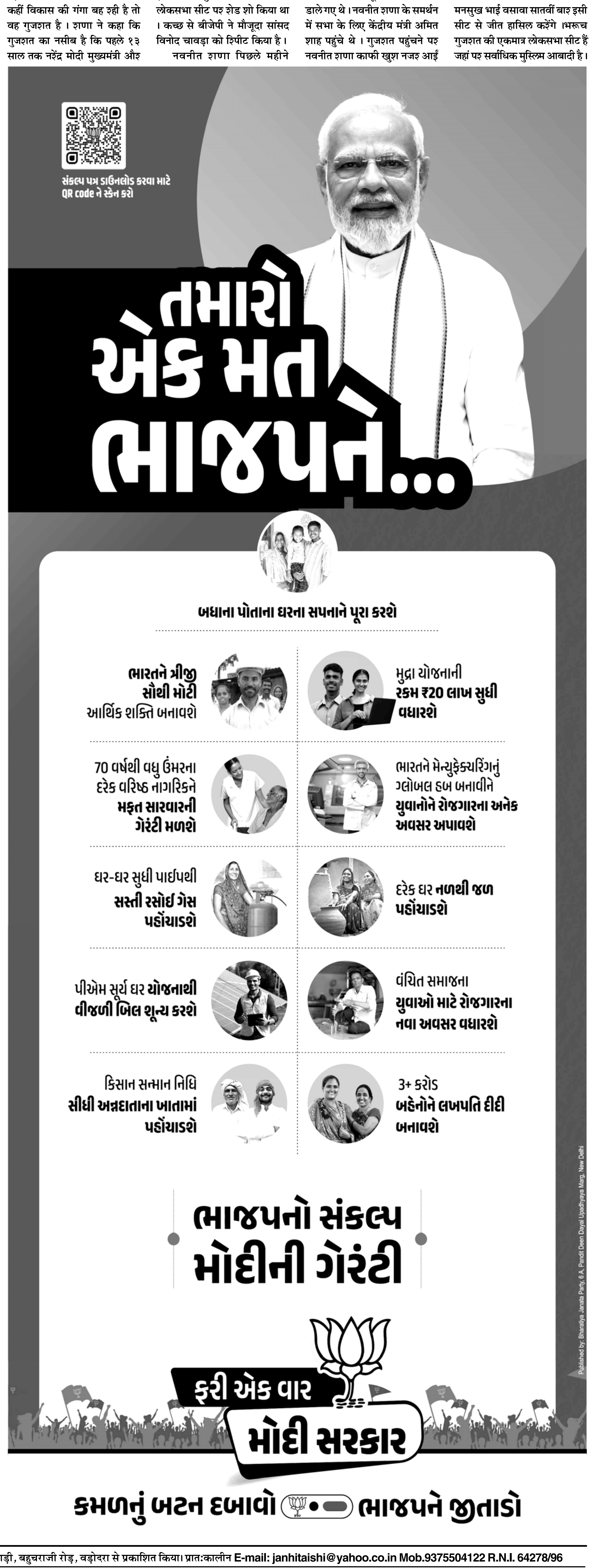

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96